शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 100 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 8 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दिल्ली में कृत्रिम छठ घाट पर नहीं मिला पानी, गुस्साए श्रद्धालुओं ने किया प्रदर्शन पेज 2
राज्य में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य पेज 3
धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नहीं चलता : पं. धीरेंद्र शास्त्री पेज 5
भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं सूर्यकुमार यादव पेज 7

देश भर में छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य, गुवाहाटी से लेकर पटना, दिल्ली तक घाटों पर दिखी रौनक

गुवाहाटी/पटना/नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में आज छठ महापर्व के तहत तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान अलग-अलग हिस्सों में घाटों पर शानदार नजारा देखने को मिला। गुवाहाटी, कोलकाता, भागलपुर, पटना, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, दिल्ली, पंजाब, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई समेत देश के तमाम बड़े शहरों में आज छठ पूजा मनाया गया। कल उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय चलने वाला यह महापर्व खत्म हो जाएगा। छठ पूजा को लेकर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित तमाम बड़े नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं भी दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों

छठ पूजा के दौरान गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नद के तट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते भक्तगण। फोटो-दशरथ डेका

को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख व समृद्धि की कामना की। उन्होंने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि छठ के संध्या अर्घ्य के पावन-पुनीत अवसर पर आप सभी को मेरी असीम शुभकामनाएं। सादगी, संयम, संकल्प और समर्पण का प्रतीक यह महापर्व हर किसी के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए। जय छठी मइया! यह त्यौहार कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि और दिवाली के छह दिन बाद शुरू होता है। संबलपुर में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छठ पूजा की। भाजपा सांसद मनोज तिवारी और उनके परिवार के सदस्य दिल्ली में अपने आवास पर छठपूजा का अनुष्ठान करते हुए। अमेरिका के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुष्ट स्त्री बुद्धिमान व्यक्ति के शरीर को भी निर्बल बना देती है।

- आचार्य चाणक्य

दर्रांगा इमिग्रेशन चेक पोस्ट का उद्घाटन

भारत-भूटान के बीच यात्रा होगी आसान : राज्यपाल आचार्य

तामुलपुर (हि.स.)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम दाशो शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में दर्रांगा एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन किया। यह प्रमुख बुनियादी ढांचा असम के तामुलपुर में भूटान सीमा से लगभग 700 मीटर की दूरी पर स्थित है। यह नया चेक पोस्ट सीमा पार आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपने संबोधन में लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आईसीपी दर्रांगा की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि यह सीमा पार व्यापार और यात्रा को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और भारत और भूटान के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सीमा पार व्यापार भूटान और भारत के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करता है, जिससे दोनों देशों को लाभ होता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था समृद्ध होती है। उन्होंने यह भी कहा कि चल रहे विकास और औद्योगिक क्षमता विस्तार के साथ, यह बंदरगाह दोनों देशों के बीच संबंधों में आधारशिला बनने के लिए तैयार है। भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे ने अपने संबोधन में कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि इस पहल से पर्यटन और व्यापारिक आदान-प्रदान के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने मजबूत भारत-भूटान संबंध बनाने में निरंतर सहयोग के लिए भारत सरकार और असम राज्य के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। -शेष पृष्ठ दो पर

विस उपचुनाव : मुख्यमंत्री के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज राज्य में जारी विधानसभा उपचुनाव के सिलसिले में बिहाली और सामागुरी क्षेत्रों में रोड शो और चुनावी सभाओं को संबोधित किया। बिहाली और सामागुरी में किए गए रोड शो में मुख्यमंत्री के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ा। रोड शो के बाद बिहाली में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहाली शांति और समन्वय की भूमि रही है। इस क्षेत्र में बिहारी, नेपाली, चाय जनजाति, बंगाली, असमिया आदि समेत विभिन्न जाति एवं जनजाति के लोग मिलजुल कर निवास करते हैं। यही वजह है कि असम में वैष्णव संस्कृति के पुरोधा श्रीमंत शंकरदेव ने भी बिहाली से अपनी धार्मिक यात्रा शुरू की थी। मुख्यमंत्री ने कहा की बिहाली की जनता के आशीर्वाद -शेष पृष्ठ दो पर

आईईडी विस्फोट : अदालत ने तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई

कोल्लम (केरल)। केरल की एक अदालत ने 2016 के आईईडी विस्फोट मामले के तीन दोषियों को गुरुवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। ये तीनों आरोपी मदुरई के निवासी हैं और इन पर आतंकवाद से जुड़े अपराधों का आरोप था। विस्फोट कोल्लम के कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ था। अभियोजक सचिन जी. मुंडक्कल ने बताया कि कोल्लम के जिला प्रधान सत्र न्यायाधीश जी. गोपाकुमार ने अब्बास अली, शमसुन करीब राजा -शेष पृष्ठ दो पर

भारत से भागे क्रिमिनलों को कनाडा में सुरक्षित पनाह दे रहे पीएम : पुलिस

ओटावा। कनाडा में भारत पर सवाल उठाने वाले निज्जर हत्याकांड से जुड़े मामले को लेकर देश के पूर्व पुलिस सार्जेंट डोनाल्ड बेस्ट ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की पोल खोलने वाला बयान दिया है। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के इस बयान का समर्थन किया कि कनाडा में अप्रवासियों के लिए उचित जांच प्रक्रियाओं का अभाव है। डोनाल्ड बेस्ट, जो पहले एक खोजी पत्रकार भी रह चुके हैं, ने मीडिया से बातचीत में कनाडा के वीजा अनुमोदन प्रक्रिया में मौजूद -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

रोहतास में डूबने से चार लोगों की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार के रोहतास जिले में महापर्व छठ के दिन आज चार लोगों की डूबकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि जिले के भानस थाना क्षेत्र के पिपरा गांव के दो युवक की चौसा नहर में डूबने से मौत हो गई। मृतक युवकों में पिपरा निवासी रामजी सिंह का पुत्र आयुष कुमार (18) और तुर्की निवसी -शेष पृष्ठ दो पर

आस्ट्रेलिया में अब बच्चे नहीं कर पाएंगे सोशल मीडिया का उपयोग

कैनबरा (हि.स.)। आस्ट्रेलिया में जल्द ही 16 वर्ष से कम आयु वाले लड़के-लड़कियां सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। अल्बानी सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाने के अपने संकल्प को आज दोहराया। सरकार ने नागरिकों से यह वादा किया है। आस्ट्रेलिया की संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के संकल्प से अवगत कराया। -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा गतिरोध : गोविंद मोहन की असम, मेघालय अरुणाचल के मुख्य सचिवों के साथ बैठक

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सीमा गतिरोध समाधान वार्ता में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। सूत्रों के अनुसार तीनों राज्यों के मुख्य सचिवों ने केंद्रीय गृह सचिव से अलग-अलग मुलाकात की और अपना पक्ष रखा। मोहन ने सीमा विवादों को सुलझाने के लिए मेघालय और अरुणाचल प्रदेश द्वारा असम के साथ किए गए समझौतों की भी समीक्षा की। असम सरकार न इन बैठकों का आयोजन किया था। उसने केंद्र और तीन राज्यों के शीर्ष नौकरशाहों के बीच क्या बातचीत हुई, इस पर चुप्पी साधे रखी और कोई भी जानकारी साझा नहीं की। सूत्रों ने बताया कि असम में बाढ़ की स्थिति पर विचार करने के लिए एक अन्य बैठक की गई। मोहन ने असम के -शेष पृष्ठ दो पर

शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी, रायपुर आई मुंबई पुलिस

रायपुर। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को फिरौती और जान से मारने की धमकी के मामले में मुंबई पुलिस छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंची हुई है.. जहां मुंबई पुलिस और रायपुर साइबर टीम ने आरोपी फैजान को हिरासत में लेकर थाने में पूछताछ की मुंबई पुलिस की तरफ से आरोपी को नोटिस भी दिया गया है। सूत्रों की माने तो मुंबई पुलिस की तरफ से पूछताछ की जा रही है कि आखिर किसके इशारे पर फोन किया गया। इन सब के पीछे कोई -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर विस में अनुच्छेद 370 पर फिर हंगामा, बाहर निकाले गए भाजपा विधायक

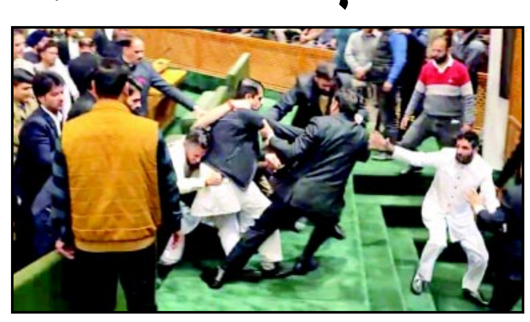

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को भी भाजपा और सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों के बीच अनुच्छेद 370 की बहाली के प्रस्ताव को लेकर विवाद जारी रहा। दोनों पक्षों में नारेबाजी के बीच हाथापाई भी हुई, जिसके बाद मार्शल ने कुछ भाजपा विधायकों को सदन से बाहर निकाला। लगातार हंगामा जारी रहने पर पहले स्पीकर को सदन की कार्यवाही 20 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद भी विवाद शांत न होने पर सदन को कल तक के लिए स्थगित करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 हटाने के ख़िलाफ बुधवार को एक प्रस्ताव पारित हुआ था। इस पर कल भी सदन में हंगामा हुआ था और हाथापाई की नौबत आ गई थी। इसके बाद सदन की कार्यवाही आज तक के लिए स्थगित की गई थी। आज विधानसभा में जैसे -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में भाजपा ने चार दागियों को दिया टिकट : एडीआर रिपोर्ट

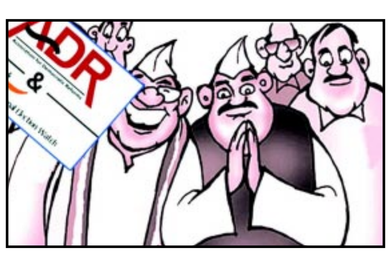

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हो रहे उपचुनाव में दागी और करोड़पति उम्मीदवार भी ताल ठोक रहे हैं। राज्य की छह विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में सात उम्मीदवार दागी हैं तो सात ही प्रत्याशी करोड़पति हैं। पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक भाजपा ने सबसे ज्यादा चार दागियों को टिकट दिया है। जबकि कांग्रेस ने एक और तृणमूल कांग्रेस से दो दागी उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं यहां उपचुनाव में करोड़पति प्रत्याशी भी खूब हैं। इसमें कांग्रेस ने तीन, भाजपा ने दो, सीपीआई और टीएमसी ने एक-एक करोड़पति उम्मीदवार को चुनाव में उतारा -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र जल्द जारी करेगा राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक नीति और रणनीति : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को आतंकवाद निरोधी सम्मेलन-2024 में कहा कि केंद्र जल्द ही राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक नीति और रणनीति जारी करेगा। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है लेकिन आतंकवाद कोई क्षेत्रीय सीमा नहीं जानता। केंद्रीय गृह मंत्री ने दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा कि गृह मंत्रालय ने आतंकवाद, आतंकवादियों और आतंकवाद के पारिस्थितिकी तंत्र से लड़ने के लिए जो सक्रिय दृष्टिकोण बनाया है, हम उसमें अगला कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम कुछ महीनों में

एक राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति और रणनीति लेकर आएंगे लेकिन जैसा कि मैंने कहा, पुलिस राज्य का विषय है और लड़ाई राज्य पुलिस को ही करनी होगी। सूचना देने से लेकर कार्रवाई करने तक केंद्रीय सभी एजेंसियां आपका साथ देंगी। शाह ने कहा कि इतने बड़े देश में कानून और व्यवस्था को केंद्र नहीं संभाल सकता। जहां तक आतंकवाद से निपटने का सवाल है, राज्यों की अपनी सीमाएं हैं। राज्यों की भौगोलिक सीमाएं भी हैं, संवैधानिक सीमाएं भी हैं लेकिन आंतकवाद और आतंकवादियों की कोई सीमाएं नहीं हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायली राजदूत का दावा

पश्चिम एशिया से संघर्ष को समाप्त करवाने में भारत की भूमिका अहम

नई दिल्ली। भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत और यहां की संभावित विदेश नीति में बदलाव पर चर्चा की। साथ ही मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत से क्या कुछ उम्मीदें हैं इस पर भी बात की। साथ ही बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करवाने में भारत की भूमिका अहम है। उन्होंने यह पूछे जाने पर कि इजरायल किस नीतिगत बदलाव की उम्मीद कर रहा है, उन्होंने चुनावी परिणाम को अमेरिका की राजनीति में काफी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दिल्ली में कृत्रिम छठ घाट पर नहीं मिला पानी, गुस्साए श्रद्धालुओं ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली की गीता कॉलोनी में गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा बनाए गए सूखे घाट को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद छठ पूजा उत्सव में खटास आ गई। डूबते सूर्य की पूजा करने के लिए *संध्या अर्घ्य* देने के लिए कृत्रिम घाट पर पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ा झटका था। इसके बाद उनका विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

एक श्रद्धालु ने कहा कि अगर उन्हें पानी नहीं देना था तो उन्होंने (सरकारी अधिकारियों ने) ये सारी व्यवस्था क्यों की? हम अपने घरों पर त्योहार मना सकते थे। अगर पानी नहीं दिया गया तो हम सड़कों पर उतरेंगे। एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि छठ पूजा पूरी करने के लिए हमारे पास पानी नहीं है. सूर्य अस्त हो रहा है और हमारा अर्घ्य देने का समय निकलता जा रहा है। वे हमें पहले बता सकते थे, हम छतों पर टबों में पानी भरकर ऐसा कर सकते थे। हमारा अपमान किया जा रहा है और विधायक ने अपना फोन बंद कर लिया है। इस बीच, दिल्ली सरकार ने भक्तों के लिए शहर में 1,000 विभिन्न स्थानों पर पूजा करने की व्यवस्था की है। सरकार ने नदी में प्रदूषण के कारण यमुना घाटों पर छठ पूजा करने की अनुमति नहीं दी। इससे पहले बुधवार को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने भक्तों को यहां यमुना नदी के तट पर छठ पूजा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था, यह देखते हुए कि यह अत्यधिक प्रदूषित है और इससे लोग बीमार पड़ सकते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने भक्तों के लिए शहर में 1,000 विभिन्न स्थानों पर पूजा करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की है।

बांग्लादेश में मुस्लिम दुकानदार ने इस्कॉन मंदिर पर की अभद्र टिप्पणी, पोस्ट वायरल होने पर भड़की हिंसा

ढाका। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव के कुछ हिस्सों में सेना के नेतृत्व में संयुक्त बलों ने बुधवार को गश्त की, यहां एक दिन पहले एक मुस्लिम किराना दुकानदार द्वारा इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉनशस्नेस) के खिलाफ फेसबुक पर की गई पोस्ट को लेकर झड़प हो गई थी और इसमें कई लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि व्यापारी उस्मान अली ने फेसबुक पर इस्कॉन को *आतंकवादी समूह* करार दिया था जिसके बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था और हजारी गली क्षेत्र में रहने वाले हिंदू समुदाय ने इसके खिलाफ नाराजगी जताई थी। हजारी गली में मुख्य रूप से हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं जो आभूषण की दुकानों और थोक दवा की दुकानों के मालिक हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस्कॉन पर की गई इस टिप्पणी को लेकर रातभर संक्षिप्त झड़प हुई। इस दौरान मौके पर पहुंची सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों द्वारा लाठीचार्ज करने से कई लोग घायल हो गए। इस दौरान हजारी गली इलाके में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। यहां सेना के जवान पुलिस के साथ जीप में गश्त कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल फिरदौस अहमद ने एक संवाददाता सम्मेलन में बुधवार को बताया कि अली की दुकान के सामने भीड़ एकत्र हो गई, जिसके बाद संयुक्त बल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने अली और उसके भाई को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि गुस्साई भीड़ ने आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले एसिड और आस-पास की इमारतों से कांच की टूटी बोतलें फेंकी, जिससे सेना के पांच जवान और सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। अहमद ने कहा कि संयुक्त बलों ने 80 संदिग्धों को हिरासत में लिया है तथा कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय खुफिया जानकारी और सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करते हुए अपराधियों की पहचान की जा रही है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ हिंदू समुदाय के नेताओं ने मंगलवार शाम को किसी भी तरह ही बड़ी हिंसा न होने के लिए संयुक्त बलों को घटनास्थल पर आने का आग्रह किया था।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
OBSTETRICIAN & GYNAECOLOGIST
Apollo HOSPITALS
Dr Vinutha Arunachalam, MBBS, M.D.(Obstetrics & Gynaecology), DNB (OBG)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
on 16th November'2024
Patients with difficulty getting pregnant, repeated abortions, tumors of Uterus and Ovary, abnormal bleeding, white discharge and any kind of Gynaecological problem can register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

Apollo Cancer Centre Chennai
Apollo Cancer Centres
CONSULTANT NEUROSURGEON
DR. K. CHANDRASEKHAR M.ch(Neurosurgery), Fellowship in Skull Base & Cerbrovascular Sugery(USA) Fellowship in Endovascular Surgery(Netherlands)
Visiting GUWAHATI ON 17th November'2024
Patients suffering from Fits, Seizures, Brain Tumors, Cerebral Stroke, Back Pain, Neck Pain, Cervical and Lumber spondylosis, Facial Pain, Stiff Back and other Neurological Problem can register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact:03612223663/9678769107/8134095156

गुवाहाटी के तालाब में डूबने से किशोर की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शहर के बेंतकुची इलाके में विशाल दास नामक किशोर अपने दोस्तों के साथ नहाते समय बुधवार को तालाब में डूब गया था। उसका शव आज बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि किशोर के गुवाहाटी केंद्रीय कारागार के पीछे स्थित एक तालाब में डूबने की सूचना मिली। मृतक 10वीं कक्षा का बेंतकुची स्कूल का छात्र था। अपने परिवार के साथ वह लोखरा में रहता था। बताया गया है कि विशाल और उसके तीन दोस्त तालाब में नहाने गए थे। तालाब में तैरने के दौरान किशोर अचानक तालाब के गहरे पानी में डूब गया। दोस्तों ने उसे डूबते देख इसकी सूचना घर वालों को दी।

शातिर वाहन चोर पहुंचा जेल

कामरूप (हिंस)। बाईहाटा चाराली इलाके में स्थानीय लोगों ने एक शातिर वाहन चोर को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। गिरफ्तारी के बाद चोर को न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि कामरूप (ग्रामीण) जिले के बाईहाटा चाराली, चांगसारी कमलपुर आदि इलाकों में वाहन चोरी मामले में शामिल कबीर अली को बाईहाटा चाराली इलाके में स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ा गया।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत, एक अन्य घायल

गोलाघाट (हिंस)। नुमलीगढ़ में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार नुमलीगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 39 पर बाबाथान के पास यह घातक सड़क दुर्घटना हुई। दो स्कूटी सवारों को टैंकर ने ठोकर मार दी। दुर्घटना में घटनास्थल पर ही मारी गई महिला की पहचान रंजू हजारिका के रूप में हुई है। जबकि, गंभीर रूप से घायल हुए स्कूटी सवार की पहचान बुबुल अली के रूप में हुई है। महिला का घर नुमलीगढ़ के तेलगरम में है। घायल और मृतक दोनों एनआरएल शहरी क्षेत्र में रखरखाव का काम करने वाले थे। नुमलीगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए तथा घायल को एनआरएल विवेकानंद अस्पताल भिजवाया।

पृष्ठ एक का शेष

देश भर में छठ व्रतियों ने ...

वर्जीनिया प्रांत में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य छठ पूजा मनाने के लिए अपने दोस्तों और परिवार के साथ एकत्र हुए। चार दिवसीय पर्व पांच नवंबर को नहाय खाय अनुष्ठान के साथ शुरू हुआ था। दूसरे दिन, बुधवार को व्रतियों ने *खरना* किया। दिल्ली में छठ पूजा के तीसरे दिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल छठ पूजा का अनुष्ठान किया। उन्होंने कहा कि छठी मैया ढेर सारी खुशियां दें, आशीर्वाद दें। मैं अभी अपने विधानसभा में छठी मैया की पूजा करने आया हूं। मैंने सबके साथ पूजा की। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में 1000 से ज्यादा जगहों पर छठ पूजा का आयोजन किया है। हमारी सरकार बनने से पहले 200-250 जगहों पर इसका आयोजन होता था। लेकिन जनता की सुविधा के लिए हमने दिल्ली में कई जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किया है और मुझे बहुत खुशी है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि सभी को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। छठी मैया की कृपा आप सभी पर बनी रहे, आपका जीवन सुख, शांति और समृद्धि से भरपूर रहे, यही मेरी कामना है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि मैं सभी पूर्वांचली भाइयों-बहनों और दिल्ली के सभी निवासियों को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आज दिल्ली में छठ का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से दिल्ली के कोने-कोने में छठ घाट बनाए गए हैं। आज मैंने दिल्ली के सभी लोगों की समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए छठी मैया और भगवान भास्कर से प्रार्थना की है। दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी हिस्सों में ऐसे छठ घाट बनवाती है ताकि हमारे पूर्वांचली भाई-बहनों को कभी यह महसूस न हो कि वे अपने घर से दूर हैं।

दरांगा इमिग्रेशन चेक ...

दोनों देशों के विकास का संकेत देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दोस्त एक साथ समृद्ध होते हैं तो दोस्ती मजबूत होती है। सभा को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा कि दरांगा आईसीपी भारत की अपने पड़ोसियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह पहल दोनों देशों के बीच आर्थिक और बुनियादी ढांचागत विकास को सुचारू बनाएगी। विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने अपने भाषण में कहा कि आईसीपी दरांगा के उद्घाटन का उद्देश्य दोनों देशों के नागरिकों की आवाजाही को सुगम बनाना है, जिससे भारत और भूटान के बीच संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि भूटान के विकास में भागीदार बनना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। भारत भूटान का शीर्ष व्यापारिक साझेदार है और इस पहल से दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे। उद्घाटन समारोह में असम सरकार के एक्ट ईस्ट पॉलिसी मामलों के मंत्री चंद्र मोहन पटवारी और गृह मंत्रालय के सीमा प्रबंधन सचिव डॉ राजेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने भूटान के साथ असम की रणनीतिक कनेक्टिविटी में दरांगा भूमि बंदरगाह के महत्व पर प्रकाश डाला। 14.5 एकड़ में फैला आईसीपी दरांगा, एक कार्यालय परिसर, पार्किंग क्षेत्र, लोडिंग और अनलोडिंग क्षेत्र, एक तौल पुल, एक गोदाम और अधिकारियों के लिए आवासीय क्वार्टर सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। बंदरगाह में कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण स्थान, प्लांट संगरोध प्रणाली और पार्किंग सुविधाएं भी हैं। यह दो भूटानी चेक पोस्टों का प्रबंधन करता है: समद्रुप-जोंगखर और मोटांगा, जो सीमा पार सुचारू आवागमन को और सुविधाजनक बनाते हैं। दरांगा की रणनीतिक स्थिति इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी से पूरित है। भारत की ओर से यह रंगिया के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 27 से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जबकि भूटान की ओर से समद्रुप-जोंगखर में मजबूत सीमा शुल्क अवसंरचना कुशल व्यापार सुनिश्चित करती है। समद्रुप-जोंगखर से ताशीगांग तक राजमार्ग में चल रहे सुधार से कनेक्टिविटी और व्यापार की संभावनाओं में और वृद्धि होने की उम्मीद है। आईसीपी दरांगा का उद्घाटन मोदी सरकार के एक जुड़े हुए और समृद्ध क्षेत्र के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो सीमा पार असंख्य व्यक्तियों और समुदायों के जीवन को समृद्ध बनाने का वादा करता है।

विस उपचुनाव : मुख्यमंत्री ...

के कारण बिहाली के विधायक रंजीत दत्ता सांसद बनकर दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो सागर में गोते लगाकर अनमोल मोतियों को चुनकर निकालती है। उन्होंने बिहाली के भाजपा उम्मीदवार दिगंत घटोवार का उदाहरण देते हुए कहा कि दिगंत के पिता न तो मुख्यमंत्री, मंत्री या कोई अधिकारी थे, न ही कोई टाटा, बिरला, अंबानी। चाय बागान के लाइन में जन्म लेकर पले-बढ़े दिगंत आज भाजपा के प्रत्याशी के रूप में आपके सामने खड़े हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाला बच्चा नरेंद्र मोदी आज इस देश के प्रधानमंत्री हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ऐसी ही पार्टी है जो जमीन से लोगों को ले जाकर उनकी योग्यता के आधार पर उन्हें ऊंचे स्थान देती है। भाजपा में किसी वंशवाद के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति और युवा शक्ति को हार्दिक धन्यवाद् दिया। उन्होंने कहा कि हमारी नारी शक्ति और युवा शक्ति की भागीदारी ने हमें असम विधानसभा के पांच निर्वाचन क्षेत्रों के उप-चुनाव के अभियान के दौरान अपने सहयोगियों को मजबूत और प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया है। जीवन के सभी क्षेत्रों के नागरिकों के लिए हमारे समान महत्व के कारण आज समाज की महान शक्तियां आगे आई हैं और हमें आशीर्वाद दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतीत में बीटीआर में हिंसा के बिना एक भी दिन नहीं गुजरा है। शांति स्थापित करने के शुरुआती प्रयास वाजपेयी जी द्वारा किए गए थे और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिहाली के सर्वांगीण कल्याण को सुनिश्चित करने और विकास के लाभों को लोगों के साथ साझा करने के लिए कई प्रयास किए हैं। बिहाली के लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम कह सकते हैं कि हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बीटीआर में स्थायी शांति सुनिश्चित करना है। सामागुरी विधानसभा क्षेत्र में हम सिर्फ चुनाव के लिए ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के आक्रामक रवैये और भ्रष्ट परिवारों के नेतृत्व गुटों के खिलाफ भी लड़ रहे हैं। उन लोगों के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता है, जिन्होंने इस लड़ाई में हमारे साथ शामिल होने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सामागुरी विधानसभा क्षेत्र में वंशवाद चल रहा है। पहले नुरुल हुसैन फिर उनके पुत्र रकीबुल हुसैन यहां से विधायक हुए। फिर रकिबुल हुसैन पुत्र तंजील हुसैन यहां से विधायक होने कांग्रेस की टिकट पर आए हैं। कभी भी सामगुरी की जनता यहां से विधायक नहीं बन सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही कांग्रेस की वंशवाद की परंपरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नौकरी देने के नाम पर इतना पैसा इकट्ठा करती है इसीलिए अरुणोदय का उनके लिए कोई मूल्य नहीं है। लेकिन, मेरा मानना है कि अरुणोदय का हमारे आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए मूल्य है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने जहां भाजपा द्वारा किए जा रहे कई महत्वपूर्ण कार्यों की चर्चा की। वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस पर एक से बढ़कर एक आरोप लगाए।

आईईडी विस्फोट : अदालत ...

और दाऊद सुलेमान को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके अलावा, इन तीनों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के आरोप के तहत भी 10-10 साल की सजा भी सुनाई गई। उन्होंने बताया कि अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। तीनों दोषी आतंकवादी संगठन अल-कायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन के विचारों को बढ़ावा देने वाले समूह से भी जुड़े थे। यह विस्फोट 15 जून 2016 को हुआ था। आईईडी (इन्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को एक टिफिन बॉक्स में छिपाया गया था, जो कलेक्ट्रेट परिसर में खड़े एक वाहन में फट गया था। मंसीफ कोर्ट के पास सुबह करीब 10.45 बजे जोरदार धमाका हुआ था। आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), आपराधिक साजिश, हत्या का प्रयास और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले की जांच की थी। जांच में पता चला था कि आरोपियों ने देशभर में कोर्ट परिसरों में बम विस्फोट की योजना बनाई थी। उन्होंने इससे पहले आंध्र प्रदेश के चित्तूर, कर्नाटक के मैसूर और केरल के मलप्पुरम में भी विस्फोट किए थे। पहले आरोपी अब्बास अली ने अपने घर पर बम तैयार किया था। जबकि दूसरे आरोपी शमसुन करीम राजा ने उसे कलेक्ट्रेट में रखा था और तीसरे आरोपी दाऊद सुलेमान ने सोशल मीडिया पर विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी। यह मामला कोल्लम पश्चिम थाने में दर्ज हुआ था और जाच कोल्लम के सहायक पुलिस आयुक्त ने की थी। बाद में एनआईए ने मामले की गहन जांच की और आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

भारत से भागे ...

खामियों की चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ट्रूडो की ढील व इन खामियों के चलते अपराधी और भारत में संगठित अपराध से जुड़े लोग आसानी से कनाडा में प्रवेश ले लेते हैं। बेस्ट ने यह भी बताया कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादियों को राजनीतिक स्थान मिलने के बारे में भारत की चिंताएं अत्यंत जायज हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री ने यह सही कहा है कि कनाडा उन अपराधियों को वीजा दे रहा है, जो भारत में संगठित अपराध से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा में अप्रवासियों की पर्याप्त जांच नहीं हो रही है, जिसके कारण खालिस्तानी समूहों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। बेस्ट ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि कनाडा की छोटी जनसंख्या के बावजूद, पिछले दो वर्षों में लगभग 5 प्रतिशत अप्रवासी आए हैं, जो देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत उथल-पुथल है। हमारे पास केवल 40 मिलियन लोग हैं, और इतने कम समय में अगर 5 प्रतिशत आबादी बढ़ रही है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। बेस्ट ने कनाडा की आपराधिक खुफिया सेवा के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि देश में 2,600 से अधिक संगठित अपराध समूह सक्रिय हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रहे हैं। इन समूहों का विभिन्न अवैध गतिविधियों, जैसे कि अवैध दवा व्यापार और हिंसक अपराधों में लिप्त होना, समाज की स्थिरता को प्रभावित कर रहा है। भारत सरकार ने भी कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों के मामलों को लेकर चिंता जताई है, जो एक स्वतंत्र सिख राज्य की मांग कर रहे हैं।

सीमा गतिरोध : गोविंद ...

शिक्षा मंत्री रनोज पेगु की उपस्थिति में राभा हसोंग स्वायत्त परिषद, तिवा स्वायत्त परिषद और मिसिंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी पार्षदों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी बैठक की। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि परिषदों ने अपनी शक्तियों और कार्यों को प्रस्तुत किया और इन तीनों परिषदों को संवैधानिक दर्जा दिए जाने का आग्रह किया। मैं असम के मुख्य सचिव रवि कोटा के साथ बैठक में शामिल हुआ।

शाहरुख खान को ...

गैंग तो नहीं है। या फिर फिरौती मांगने के पीछे क्या उद्देश्य है। ऐसे तमाम सवालों पर आरोपी से पूछताछ की गई। इस धमकी से बॉलीवुड में एक बार फिर से दहशत फैल गई है। धमकी मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी का कॉल ट्रेस किया था और उसकी लोकेशन रायपुर की निकली, इसके बाद पुलिस की टीम रायपुर आ गई है और यहां पर आकर मुंबई पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

जम्मू-कश्मीर विस ...

ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष के नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने सदन में पारित प्रस्ताव को वापस लेने की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद स्पीकर को सदन की कार्यवाही 20 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। विधानसभा में हंदवाड़ा विधायक सज्जाद लोन, लंगेट विधायक शेख खुर्शीद, पीडीपी विधायकों और भाजपा विधायकों के बीच हाथापाई हुई। सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद विपक्ष के नेता ने बोलना शुरू किया, लेकिन उन्हें स्पीकर ने रोक दिया और कहा कि उन्हें अपनी बारी आने पर बोलने दिया जाएगा। स्पीकर ने विपक्ष के नेता से कहा कि आप कानून और नियमों से ऊपर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अपनी सीट पर बैठिए। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने कहा कि वह कुछ सदस्यों की गतिविधियों पर न ?र रख रहे हैं और उनसे कहा कि वह उन पर दबाव न डालें। सुनील ने सत्ताधारी पार्टी पर विशेष दर्जे के नाम पर लाखों लोगों की हत्या करवाने का आरोप लगाया, जिस पर सत्ता पक्ष भड़क गया। भाजपा नेता सुनील शर्मा के भाषण के दौरान एआईपी विधायक खुर्शीद शेख ने बैनर आर्टिकल 370 का बैनर लहराया। भाजपा विधायक जोरदार विरोध करते हुए खुर्शीद शेख से भिड़ गए और बैनर को छीनकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया। इस दौरान बैनर को बचाने के लिए सज्जाद लोन और पीडीपी के पारा वहीद ने छीना-छपटी की, लेकिन पोस्टर को बचा नहीं पाये। इसके बाद नारेबाजी और हंगामा के बीच जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 370 पर विधायकों के बीच मारपीट की नौबत आ गई। सत्ता पक्ष और विपक्षी भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे का कॉलर पकड़ा और हाथापाई हुई, जिसमें भाजपा के 3 विधायक घायल हो गए। स्पीकर ने भाजपा विधायकों को मार्शल के जरिए बाहर निकालने का आदेश दिया।

बंगाल में भाजपा ...

है। पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। इसमें तालडंगरा, सिताई, नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर और मदरीहाट सीट शामिल हैं। पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक इन सीटों पर 42 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसमें से 41 उम्मीदवारों का डाटा एडीआर को मिला है। जबकि मदारीहाट सीट से निर्दलीय प्रत्याशी पंकज लोहरा का विवरण चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी नहीं किया गया है। चुनाव आयोग की वेबसाइट से मिले डाटा के तहत भाजपा ने उपचुनाव में चार दागी प्रत्याशियों को टिकट दिया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस ने दो और कांग्रेस ने एक प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारा है। गंभीर आपराधिक मामलों में ऐसे आरोपों शामिल हैं, जिनमें अधिकतम पांच साल या उससे ज्यादा की सजा हुई है। इसमें गैर जमानती अपराध, चुनावी अपराध और सरकार को वित्तीय नुकसान पहुंचाने जैसे अपराध शामिल हैं। इसके अलावा हत्या, अपहरण, दुष्कर्म, हिंसा, भ्रष्टाचार अधिनियम और महिला अपराधों को शामिल किया गया है। पश्चिम बंगाल उपचुनाव में राजनीतिक दलों ने करोड़पति प्रत्याशियों पर भी दांव लगाया है। इसमें कांग्रेस ने तीन, भाजपा ने दो और सीपीआई (एम-एल)-तृणमूल कांग्रेस ने एक-एक प्रत्याशी को टिकट दिया है। टीएमसी के नैहाटी सीट से प्रत्याशी सनत डे सबसे ज्यादा अमीर हैं। उनके पास 4.90 करोड़ की संपत्ति है। इसमें अचल संपत्ति 1.80 करोड़ है। वहीं भाजपा की तालडांगरा सीट से प्रत्याशी अनन्या रॉय चक्रबर्ती पर कुल संपत्ति 2.98 करोड़, टीएमसी के मेदिनीपुर सीट से प्रत्याशी श्यामल कुमार घोष पर 1.69 करोड़ रुपए की संपत्ति है। कामतापुर पीपुल्स पार्टी के सिताई सीट से उम्मीदवार काशीकांता बर्मन के पास सबसे कम पांच हजार रुपए की संपत्ति है।

केंद्र जल्द जारी...

वो अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र भी करते हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ यदि हमें सटीक तरीके से रणनीति बनानी है तो एनआईए का उपयोग करके इस प्रकार के सम्मेलनों के माध्यम से आतंकवाद, नारकोटिक्स, हवाला और देश की सीमा, अर्थतंत्र और सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के खिलाफ लड़ने का मजबूत तंत्र बनाना होगा। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा आरडीएक्स पकड़े जाने की खबरों को मीडिया में तरजीह नहीं दिये जाने पर शाह ने कहा कि जब आरडीएक्स बरामद होता है, तो उसे केवल दो कॉलम की जगह भी नहीं मिलती है लेकिन जब उसी आरडीएक्स से बने बम फटते हैं तो मीडिया में कई दिनों तक व्यापक कवरेज होती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आजादी के 75 साल बीत चुके हैं। अब तक देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा बनाए रखने के लिए 36,468 पुलिस कर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। शाह ने उन सभी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के 10 साल के भीतर भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ ठोस रणनीति अपनाई। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के उनके आह्वान को आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। भारत के अंदर आतंकवाद से लड़ने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार हुआ है। हालांकि, अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है। अमित शाह ने कहा कि आतंकवादी हमले और उनकी साजिशें सीमाहीन और अदृश्य तरीके से हमारे खिलाफ हैं। अगर हमें इससे सटीक तरीके से निपटना है तो हमारे युवा अधिकारियों को उच्चतम तकनीक से लैस करना होगा, उन्हें प्रशिक्षित करना होगा। हम आने वाले दिनों में इसे प्रशिक्षण का अहम हिस्सा बनाएंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), गृह मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, आतंकवाद-रोधी मुद्दों से निपटने वाली केंद्रीय एजेंसियों व विभागों के अधिकारी और कानून, फोरेंसिक, प्रौद्योगिकी आदि जैसे संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

पश्चिम एशिया से ...

महत्वपूर्ण विकास कहा। अजार ने कहा कि चूंकि वे पहले भी ट्रंप प्रेसीडेंसी के साथ बातचीत कर चुके हैं और काम कर चुके हैं, इसलिए इजरायल जानता है कि वे कैसे काम करते हैं। हम उनके साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं। पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान मध्य पूर्व में बहुत सारी उपलब्धियां हासिल की गई थीं, खासकर अब्राहम समझौता। हम इसके विस्तार की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे पहले हमें युद्ध को खत्म करने, काम को खत्म करने, हमारे क्षेत्र में हमारे खिलाफ मौजूद खतरों को बेअसर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अगर हम उन खतरों को बेअसर करने में सफल होते हैं, तो मुझे लगता है कि यह उस स्थिरता और समृद्धि को बनाने की नींव रखेगा जो हम सभी चाहते हैं। हमास द्वारा अमेरिका को इजरायल का समर्थन नहीं करने की चेतावनी पर राजदूत ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें अभी यह सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए कि गाजा अब हमास द्वारा बंधक नहीं बनाया जाए। राजदूत अजार ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्षों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ते हुए भारत इसका एक अहम हिस्सा बनने जा रहा है, क्योंकि उसके पास हमारे क्षेत्र के देशों को देने के लिए बहुत कुछ है। पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करवाने में भारत की भूमिका अहम होगी। उन्होंने पश्चिम एशिया में तनाव के मामले में भारत सरकार से इजरायल की अपेक्षाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार के साथ अपनी बातचीत जारी रख रहे हैं। हम सभी एक ऐसी स्थिति का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें हम एशिया और यूरोप के बीच कनेक्टिविटी की परियोजनाओं में फिर से शामिल हो सकें और इस क्षेत्र की सरकारों के साथ मिलकर लॉजिस्टिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे की नींव रख सकें, जिसकी हमें ज्यादा व्यापार करने, तकनीक में अधिक सहयोग करने और दुनिया के आम लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं को हल करने के लिए जरूरत है।

रोहतास में डूबने ...

अभिषेक कुमार (22) शामिल है। इस घटना में पिपरा गांव निवासी शिक्षक सिकंदर सिंह के पुत्र प्रशांत कुमार को ग्रामीणों ने डूबने से बचा लिया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि आज शाम तिलौथू थाना क्षेत्र में सोन नदी के छठ घाट पर नहाने के दौरान एक ही गांव के चार लोग डूब गए। जिसमें से तीन एक ही परिवार के हैं। चार लोगों में से एक को सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल भेज दिया गया है। जबकि एक का शव बरामद कर लिया गया है। दो की तलाश अब भी ग्रामीण मछुआरों द्वारा जारी है। मृतक की पहचान पथरा गांव निवासी वीरेंद्र यादव के पुत्र पिंटू यादव (32) के रूप में की गई है। वहीं भादोखरा गांव में छठ घाट पर आहर में एक बच्चे की डूब जाने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कुश दुबे के पांच वर्षीय पुत्र के रूप में की गई है।

आस्ट्रेलिया में अब...

प्रधानमंत्री अल्बनीज ने भी पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लाया जाएगा। यह पहल करने वाला आस्ट्रेलिया दुनिया का अग्रणी देश होगा। मिशेल रोलैंड ने कहा कि इस प्रतिबंध का सीधा असर सोशल मीडिया मेटा के इंस्टाग्राम और फेसबुक के साथ-साथ बाइट डांस के वीडियो-शेयरिंग टिकटॉक और एलोन मस्क के एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) पर पड़ेगा। अल्फाबेट का यू-ट्यूब भी संभवतः इस कानून के दायरे में आएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया बच्चों को नुकसान पहुंचा रहा है। कानून को इस साल संसद में पेश किया जाएगा। इस कानून को सांसदों की मंजूरी मिलने के 12 महीने बाद लागू किया जाएगा। जिन बच्चों के पास सोशल मीडिया के उपयोग के लिए माता-पिता की भी सहमति होगी, उन्हें भी कोई छूट नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में प्रस्तावित इस प्रतिबंध की घोषणा इस साल की शुरुआत में की गई। इसकी गूंज संसद में भी हुई। इसे संसद में व्यापक द्विदलीय समर्थन प्राप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि टेक कंपनियां बच्चों की सिक्योरिटी को लेकर आवश्यक कदम उठाने में विफल रही हैं। इसलिए उनकी सरकार यह कदम उठाने जा रही है। नए कानून का मसौदा इस हफ्ते तक सामने आ जाएगा। इसे इसी माह नवंबर में संसद में पेश किया जाएगा।

राज्य में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

रंगिया

होजाई

विश्वनाथ

कोकराझाड़

गुवाहाटी/विश्वनाथ/रंगिया/होजाई/कोकराझाड़ राज्य के सभी जिलों में श्रद्धालुओं ने छठ महापर्व के तीसरे दिन आज अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और पूजा-अर्चना की। राज्यभर में लाखों लोगों ने जलाशयों के किनारे भगवान सूर्य की आराधना की। गुवाहाटी समेत राज्य के सभी छोटे-बड़े शहरों में स्थानीय जिला प्रशासनों द्वारा व्यापक पैमाने पर छठ पूजा की तैयारियां की गई थीं। ब्रह्मपुत्र नद में एसडीआरएफ की टीम लगातार गस्त लग रही थी। वहीं, एनडीआरएफ को भी तैयार रखा गया था। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सभी जिलों के ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं, छठ पूजा आयोजन समितियों द्वारा घाटों पर पर्याप्त रोशनी तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। ब्रह्मपुत्र समेत राज्य के प्राय: अधिकांश छोटे बड़े जलाशयों पर छठ पूजा का आयोजन हो रहा है। हिन्दुस्थान समाचार के बिश्वनाथ संवाददाता के अनुसार महापर्व छठ की छटा आज जिले के सभी घाटों पर देखने को मिली। सबसे पहले व्रतधारी नंगे पांव हाथ में कलश और श्रद्धालु अपने सिर पर बहंगी लेकर छठ घाट पहुंचे। कलश स्थापना कर चौका पूजन करने के पाश्चात छठी मईया की आराधना में सभी व्रती जुट गए। बिश्वनाथ जिले के सभी घाटों पर व्रती एवं श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को संध्या अर्घ्य दिया। हालांकि, व्रतियों का 36 घंटा निर्जला व्रत का शुभारंभ खरना के साथ बुधवार की रात्रि से ही ही हो गया था। सभी घाटों पर व्रतियों को पूजा-अर्चना करते हुए मंगल की कामना करते हुए देखा गया। आज दिनभर निर्जला उपवास कर रीति-रिवाज से विविध प्रकार के फल, प्रसाद और घरों में बनाये ठेकुआ-खजूरी, कसार का लड्डू, मिठाई आदि लेकर छठ घाट तक पहुंचे व्रतियों ने पानी में उतरकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। दीप प्रज्ज्वलित कर छठ व्रतधारी के होठों से पारंपरिक मधुर छठी मईया तथा शारदा सिन्हा द्वारा गाए छठ गीत को गुनगुनाते हुए सुना गया। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार लोक आस्था का महापर्व छठ का छटा आज जिले के सभी घाटों में देखने को मिला। सर्वप्रथम व्रतधारी नंगे पाँव हाथ में कलश और श्रद्धालु अपने सिर पर बहंगी लेकर छठ घाट पहुंच कर तथा कलश स्थापना करके चौका पूजन किया। छठ मइया के आराधना में जुट गई। विश्वनाथ जिले के सभी घाटों में व्रतधारी व श्रद्धालु भास्कर को अपना संध्या सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी 36 घंटा निर्जला व्रत का शुभारंभ किया 7 सभी घाटों में व्रतधारी ने पूजा-अर्चना करते हुए आगामी दिनों में देश में मंगलमय की कामना की। आज दिनभर निर्जला उपवास कर रीति नीति से विविध प्रकार के ऋतु फल, प्रसाद और घरों में बनाये ठेकुआ- खजूरी, कसार का लड्डू, मिठाई आदि लेकर भक्तों ने घर से छठ घाट तक टोकरी में को छठ मइया तथा साक्षात प्रकृति के देवता भास्कर को अर्पित किया व्रत करने वाले भक्तगण पानी में उतरकर डूबते सूर्य देवता को पूजा-अर्चना की। दीप प्रज्ज्वलित कर छठ व्रतधारी के होठों से पारंपरिक मधुर छठ मईया तथा शारदा सिन्हा द्वारा गाए छठ गीत को गुनगुनाते हुए देखा गया। विश्वनाथ चारिआलि के पश्चिम चारिआलि छठ पूजा समिति, केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति, विश्वनाथ घाट पूजा समिति ने व्रतधारी के लिए विभिन्न सुविधा की व्यवस्था की। इसी प्रकार विश्वनाथ चाराली शहर के आमबाड़ी स्थित केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के तत्वावधान में छठ घाट पर सुंदर तरीके से पंडाल सजाकर समिति द्वारा बृहद रूप से व्रत धारी लिए सुविधा प्रदान किया गया। इस मौके पर समिति द्वारा एक सभा को आयोजित किया। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार आस्था, श्रद्धा, भक्ति व विश्वास का प्रतीक सूर्य षष्ठि महापर्व होजाई में धूमधाम के साथ आज मनाया गया। स्थानीय शिवबाड़ी स्थित सूर्य षष्ठि महोत्सव समिति, नूतन बाजार पोखरी स्थित श्री श्री सूर्य व्रत संचालन समिति के तत्वाधान में आज व्रत धारी श्रद्धालु व उनके परिवार के सदस्य गण उमंग उत्साह के साथ गाजे-बाजे सहित घाट पर पहुंचे एवं आपने पहले से निर्धारित पूजा स्थल पर पूजन सामग्री प्रसाद को अच्छी तरह से रखकर धूप दीप जलाकर भगवान सूर्य के अस्त होने का इंतजार करने लगे सभी माताएं बहने युवा भगवान का नाम मन ही मन ले रहे थे जो ही भगवान भास्कर अस्ताचल गामी हुए श्रद्धालुओं ने अर्घ्य के साथ साथ फल मूल पान सुपारी गन्ना आदि भगवान को समर्पित कर अपना पहला अर्घ्य पूरा किया दोनों घाटों पर तोरण द्वार बिजली की चकाचौंध रोशनी घाटों की शोभा बढ़ा रहे थी। वहीं समितियों द्वारा भगवान सूर्य की प्रतिमा बनाई गई थी जहां भक्तों ने पूजा-अर्चना कर अपने को धन्य समझा। महिलाओं द्वारा गाये जा रहे छठ के गीत माहौल में चार चांद लगा दिया। महापर्व पर कई लोग जल में खड़े अपनी मनौती के पूर्ण होने के लिए प्रार्थना कर रहे थे। वहीं कई महिलाएं पुरुष दंडवत प्राणाम करते हुए घाट पर आते हुए दिखाई पड़े उनके पीछे पीछे उनके परिवार के सदस्य चल रहे थे। बच्चों द्वारा पटाखे फोड़ के खुशी मनाते देखे गए दोनों घाट की पूजा समितियों के सदस्य व्यवस्था बनाने में लगे हुए थे। वहीं स्थानीय शिवबाड़ी स्थित सूर्य षष्ठि महोत्सव समिति के सदस्य विनोद गुप्ता ने बताया कि हर साल सूर्य उपासना का महापर्व छठ हर्षोल्लास के साथ यहां मनाया जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि इस बार समिति के सदस्यों ने सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायिका शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित की व उनकी सद्गति हेतु छठी मैया से प्रार्थना की। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार लोक आस्था का महपर्व एव सूर्य उपासना का महापर्व छठ पर्व के अवसर पर पूरे बिश्व के साथ-साथ कोकराझाड़ जिले के सालाकाटी, गोसाइगांव, गुरुफेला, दोतमा, फकीराग्राम सहित जिले के विभिन्न छठ पूजा घाटों में सजाट के साथ छठ पर्व मनाया गया। छठ पूजा समितियों ने इस दौरान छठ पर्व करने वाले व्रतधारियों के लिए सभी तरह की व्यवस्था किया। वहीं सालाकाटी और फकीराग्राम, गोसाईगांव छठ पूजा घाट में पूजा-अर्चना के साथ ही भारी संख्या में श्रद्धालु और आम लोगों की उपस्थिति थी। व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा-अर्चना की। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार धार्मिक आस्था का महापर्व छठपूजा देशभर के साथ-साथ रंगिया के विभिन्न स्थानों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में वार्ड नं. 3 स्थित पूब रंगिया छट पूजा समिति के तत्वावधान में (रजक कॉलोनी) धोबी घाट में भी इसका आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है। गत 5 नवंबर, मंगलवार को स्नान ध्यान से प्रारम्भ हुए इस पर्व के आज तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने यहां डूबते हुए सूरज को संध्याकालीन (प्रथम डाला) अर्घ्य अर्पित किया। इस मौके पर छट पूजा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओ ने अपने परिजनों के साथ पूजाघाट पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और भक्तिभाव के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। आज आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत सांध्यकालीन अर्घ्य के बाद संध्या 7 बजे से नव जागरण दल द्वारा नगाड़ा नाम परिवेशन किया गया। जिसमें नलबाड़ी, 4 नंबर बालीतारा की जानी मानी पाठिका वर्षा दास ने नगाड़ा नाम परिवेशन कर सभी का मन मोह लिया। मालुम हो कि समिति की ओर से घाट पर श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना की समुचित व्यवस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। समिति के उपाध्यक्ष गौतम रजक और रसमय दास, सचिव जतीन वैश्य और अशोक रजक (बाबू), सह सचिव रोहित रजक, संजीव मण्डल और अशोक रजक, कोषाध्यक्ष कमल रजक द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 सितंबर, शुक्रवार को उगते हुए सूर्य को प्रात:कालीन अर्घ्य (पारण) और प्रसाद वितरण के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व सम्पन्न होगा।

जोराबाट घाट पर श्रद्धालुओं ने दिया सांध्य अर्घ्य

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के जोराबाट स्थित श्रीश्री भद्रकालेश्वरी मंदिर घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने छठ पूजा के अवसर पर अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। पारंपरिक रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों में मनाया जाने वाले यह महापर्व जोराबाट और आसपास के क्षेत्रों में भी खासा लोकप्रिय है। बड़ी संख्या में बिहार और उत्तर प्रदेश से आए प्रवासियों की उपस्थिति ने इस पर्व को क्षेत्र में जीवंत बना दिया है। हिंदुस्तान समाचार के साथ खास बातचीत के दौरान जोराबाट छठ पूजा सेवा समिति के अध्यक्ष राजिंदर राय ने सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी हमने श्रद्धालुओं के लिए उनके निकट एक सुरक्षित और पवित्र स्थल की व्यवस्था की है, ताकि वे आसानी से पूजा कर सकें। उन्होंने कहा कि समिति ने समर्पित प्रयास किए हैं ताकि सभी सुविधाएं श्रद्धालुओं को सुलभ रहें और पूजा का आयोजन सुचारु रूप से हो सके। समिति के सचिव जयलाल राय ने बताया कि पूजा स्थल पर लगभग 50 से अधिक स्वयंसेवकों के साथ जोराबाट पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के कर्मी भी तैनात हैं, जो कि श्रद्धालुओं और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। वहीं समिति के उपाध्यक्ष परमेश्वर पुरी ने कहा कि असम-मेघालय सीमा पर स्थित होने के कारण, जोराबाट में बिहार और यूपी से आने वाले समुदायों की बड़ी संख्या है। पिछले कुछ वर्षों में यह पर्व असमिया, बंगाली, नेपाली, मारवाड़ी और हिंदीभाषी निवासियों में भी बेहद लोकप्रिय हो गया है। यह पर्व यहां की विभिन्न संस्कृतियों के बीच आपसी सद्भाव का प्रतीक बन गया है। आज शाम श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जहां सभी ने छठ के भक्ति गीतों का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि देने से की गई और उसके बाद नहाय खाय के दिन 5 नवंबर को दिवंगत हुई बिहार की पद्मभूषण पुरस्कार प्राप्त लोकगायिका शारदा सिन्हा के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। चार दिनों तक चलने वाला छठ पर्व दीवाली के छठे दिन से शुरू होता है। इस बार 5 नवंबर को नहाय खाय के साथ पूजा शुरू हुई थी, जिसमें श्रद्धालु नदी या किसी जलाशय में स्नान कर पारंपरिक भोजन बनाते हैं। इसके बाद 6 नवंबर को श्रद्धालुओं ने खरना का व्रत रखा, जो सूर्यास्त के बाद खीर बनाकर प्रसाद के रूप में परिवार और दोस्तों के साथ बांटा गया। आज तीसरे दिन सांध्य अर्घ्य का मुख्य दिन माना जाता है, जब श्रद्धालु कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। कल यानी 8 नवंबर को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रत का समापन होगा, जिसमें श्रद्धालु 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद पूजा समाप्त करते हैं।

साइबर अपराधी को पुलिस ने दबोचा

गुवाहाटी (हिंस)। साइबर पुलिस थाने की टीम फर्जी अकाउंट के जरिए सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और फोटो अपलोड करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार एक पीड़ित से प्राप्त शिकायत के आधार पर साइबर थाने की एक टीम ने फर्जी खातों के जरिए कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आपत्तिजनक फोटो और वीडियो अपलोड करने के आरोप में बिरकुची के तनु टेरोन (33) को गिरफ्तार किया है।

पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी युवक समाज ने शुक्रेश्वर घाट पर संभाली व्यवस्था

गुवाहाटी (विबास)। पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी युवक समाज ने प्रत्येक वर्ष की तरह शुक्रेश्वर घाट से लेकर फैंसी बाजार के महावीर पार्क तक छठ पूजा की व्यवस्था संभाली। इस अवसर पर सफाई, रोशनी, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, एवं स्नान गृह की समुचित व्यवस्था की गई। तथा बार-बार माइक के द्वारा श्रद्धालुओं को अपने वाहन व साथ आए छोटे बच्चों के लिए सतर्कता बाणी भी प्रेषित कर रहे थे। पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी युवक समाज के अध्यक्ष बृज किशोर सिंह ने बताया कि इस घाट पर हम 1968 से हिंदुस्तानी युवक समाज के नाम से छठ पूजा की व्यवस्था संभालते आ रहे हैं। यही समाज वर्तमान पूर्वोत्तर

हिंदुस्तानी युवक समाज के नाम से जाना जाता है। इसके संस्थापक में मै स्वयं था एवं मेरे साथ एसपी रॉय, स्वर्गीय रामदेव शर्मा, स्व. राज किशोर सिंह, स्व. अवध शर्मा थे। इसके प्रथम अध्यक्ष राजेश्वर मिश्र थे। प्राग्ज्योतिष कॉलेज के भूगोल विभाग के प्रमुख इंद्रदेव सिंह और धर्मदेव तिवारी ने भी हमें काफी मार्गदर्शन दिया था। 1968 में सेक्टर एक नूनमाटी से लेकर पांडू घाट तक छोटे-छोटे टुकड़ों में सिर्फ हिंदुस्तानी युवक समाज के सदस्य ही व्यवस्था संभालते थे। बाद में हम ही लोगों के बीच में से लोग निकलते निकलते बहुत सारी संस्थाएं बन गई। तब से हम सिर्फ शुक्रेश्वर घाट तक ही सीमित रह गए। हिंदुस्तानी समाज के महासचिव अनिल चौधरी ने बताया कि रात्रि में भोजपुरी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेत्री व गायिका राधा श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, लक्ष्मी राना, रोहित कुमार पांडे, एवं झानकी ग्रुप के द्वारा भव्य संस्कृति एवं भजन संध्या प्रस्तुत की गई।

भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में विश्व में तीसरा स्थान रखता है : राज्यपाल

गुवाहाटी (विभास)। आज हम महाबाहु ब्रह्मपुत्र के तट पर छठी मैया की उपासना करते हुए श्रद्धालुओं को शाश्वत देख रहे हैं। यह दृश्य हमारे जीवन में आस्था और एकता की सशक्त अभिव्यक्ति प्रतीत हो रहा है। छठ पूजा एक अद्भुत लोक पर्व है। जो सूर्य देव और छठ मैया की पूजा का अनूठा रूप प्रस्तुत करता है। हमारे सनातन धर्म में सूर्य को साक्षात ईश्वर का रूप माना गया है। यह साकार रूप में दिखने वाले पहले देवता हैं। जिनकी पूजा पुरानी धार्मिक परंपरा में से एक है। यह बातें असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने फैंसी बाजार लचित घाट में मध्यादेशीय वैश्य महासभा की छठ पूजा युवा समिति द्वारा आयोजित समारोह में कही। राज्यपाल ने सूर्य देव और छठ मैया के बारे में बोलते हुए आगे कहा कि यह एक द्वितीय संयोग है। आज प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सौर ऊर्जा के रूप में आगे बढ़ रहा है। हमें गर्व हो रहा है कि भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में दुनिया का तीसरा बड़ा देश है। छठ पूजा हमें प्राकृतिक संसाधन के महत्व को समझने का एक बेहतरीन अवसर देता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रभक्ति उत्सव कार्यक्रम असम के विभिन्न जिलों में आज से

गुवाहाटी। श्री हरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर, प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार और संगीतकार बाबा सत्यनारायण मौर्य के नेतृत्व में 8 नवंबर से असम के विभिन्न जिलों में बारह प्रमुख कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने जा रही है। इस सिलसिले में आज गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार सम्मेलन के दौरान श्री हरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर के मार्गदर्शक अरुण कुमार बजाज, समिति के अध्यक्ष अजीत कुमार जाना, सदस्य विजय अग्रवाल, बीके पोद्दार उपस्थित थे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री बजाज ने कहा कि यह *राष्ट्रभक्ति उत्सव* असम के बारह स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जो सभी को मंत्रमुग्ध और अभिभूत करेगा। इस कार्यक्रम की श्रृंखला के दौरान बाबा मौर्य का भारत की महिमा का स्तुतिगान लोगों में ऊर्जा और देशभक्ति का संचार कर रहा है। उनके कार्यक्रम देश और विदेशों में लगातार हो रहे हैं। बाबा सत्यनारायण मौर्य, जो कई गुणों से समृद्ध व्यक्ति हैं, अपने प्रदर्शनों से सभी को मोहित कर लेते हैं। उन्हें भगवान ने अनेक प्रतिभाओं से नवाजा है, जैसे चित्रकार, कवि, गायक, लेखक, कार्टूनिस्ट, ग्राफिक आर्टिस्ट और प्रभावशाली वक्ता आदि। दर्शक बाबा मौर्य के चित्रकला और संगीत के अद्वितीय संगम का अनुभव करेंगे, जो सभी को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेगा। श्री बजाज ने बताया कि श्री हरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर एक ऐसा संगठन है जो राष्ट्र के प्रति समर्पण, विश्वास, परंपराओं की जीवंतता और जनजातीय समाज में एकता का संदेश फैलाता है। यह समिति यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि शहरवासी और ग्रामीण समुदाय राष्ट्रीय निर्माण गतिविधियों में एक संगठित तरीके से सक्रिय भागीदारी दिखाएं। बाबा सत्यनारायण मौर्य द्वारा प्रस्तुत *राष्ट्रभक्ति उत्सव* कार्यक्रम का उद्देश्य गांवों में देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करना और राष्ट्र के विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए संयुक्त सहभागिता की भावना को प्रदर्शित करना है।

यूआईडीएआई ने असम, मणिपुर, त्रिपुरा और सिक्किम राज्यों के लिए आधार उपयोग बढ़ाने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की

गुवाहाटी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी ने 5 नवंबर, 2024 को विवांता, गुवाहाटी में *आधार से अधिकतम प्रभाव प्राप्त करना* शीर्षक से एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में असम, त्रिपुरा, मणिपुर और सिक्किम के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रभावी सेवा वितरण को बढ़ावा देने और जीवन को आसान बनाने में आधार की विस्तारित भूमिका पर चर्चा की। यूआईडीएआई, गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय के उप महानिदेशक सीएमडीई. धीरज सरीन ने सशक्तिकरण और समावेशिता के साधन के रूप में आधार की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देते हुए कार्यशाला का उद्घाटन किया। वर्ष 2009 में इस पहल की शुरुआत पर चर्चा करते हुए, उन्होंने व्यक्तियों को एक अनूठी, सत्यापन योग्य पहचान प्रदान करने में आधार के महत्वपूर्ण कार्य को नोट किया, जिसने सरकारी सेवाओं, सब्सिडी और हाशिए के समुदायों के लिए लाभों तक पहुंच को आसान बनाया है। सीएमडीई सरीन ने हितधारकों को आधार-आधारित उपस्थिति प्रणाली, भूमि लेनदेन के लिए आधार प्रमाणीकरण और पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने जैसी प्रणालियों के माध्यम से आधार ढांचे का और अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला ने अधिकारियों के लिए

पूरे क्षेत्र में आधार के उपयोग पर प्रगति और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ. रवि कोटा, आईएएस, मुख्य सचिव, असम सरकार ने इस जानकारीपूर्ण सत्र के आयोजन के लिए यूआईडीएआई की सराहना की और यह सुनिश्चित करने में आधार की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाएं अपने इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचें। असम सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त एवं सचिव, आईएएस मणिवन्नन ने आधार को पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में विशेष नामांकन शिविरों की स्थापना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असम के राज्य विभागों द्वारा आधार प्रमाणीकरण के एकीकरण से सामाजिक कल्याण वितरण को और अधिक सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। त्रिपुरा सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव, आईएएस डॉ. संदीप आर. राठौड़ ने सरकारी कार्यालयों में राशन वितरण और उपस्थिति निगरानी के लिए आधार-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के उपयोग का हवाला देते हुए त्रिपुरा की आधार उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चलाने में आधार की भूमिका को एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में पुष्ट किया। इन मुख्य भाषणों के अलावा, यूआईडीएआई मुख्यालय, डीआईटीईसी असम, डीबीटी मिशन, इंडिया पोस्ट और एनपीसीआई के अधिकारियों ने आधार अधिनियम, 2016 के तहत सब्सिडी और लाभ प्रदान करने में आधार के अनुप्रयोग पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं और आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही सुशासन को बढ़ावा देने में आधार प्रमाणीकरण की भूमिका पर भी जोर दिया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के नौ ऑपरेटरों को उनकी उत्कृष्ट सेवा और असाधारण ग्राहक संबंधों के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में त्रिपुरा, मणिपुर और सिक्किम के दो-दो ऑपरेटर और असम के तीन ऑपरेटर शामिल थे, जिन सभी ने अपनी भूमिकाओं में अनुकरणीय समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। आधार कार्यान्वयन और आउटरीच में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए कई अधिकारियों और विभागों को योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। प्राप्तकर्ताओं में असम सरकार का सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), मणिपुर सरकार से गृह विभाग के विशेष सचिव; सिक्किम सरकार का आर्थिक सांख्यिकी, निगरानी और मूल्यांकन विभाग (डीईएसएम एंड ई); और त्रिपुरा सरकार का ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) शामिल थे। इसके अतिरिक्त, असम सरकार की ओर से सीएसई ई-गनर्वेंस सेवाओं, महिला और बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग; और त्रिपुरा के इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) को उनके समर्पित प्रयासों के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी के निदेशक कपिल जाम्भुलकर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने आधार की क्षमता को अधिकतम करने में पूर्वोत्तर राज्यों को समर्थन देने के लिए यूआईडीएआई की प्रतिबद्धता दोहराई।

संपादकीय

फेस्टिवल में चल गईं बसें

घाटे का हिमाचल पथ परिवहन निगम फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है। इसलिए अगर अक्तूबर महीना एचआरटीसी को आशाजनक रहा, तो परिवहन की आशा हर दिन प्राइवेट बसों में क्यों बैठती है। अक्तूबर माह विभिन्न प्रदेशों को दौड़ी निजी बसों की कमाई और शुमारी ने खुद को पहली पसंद बनाए रखा तो जाहिर तौर पर, उस हिसाब में परिवहन की क्षमता का लेखा-जोखा भी तो होना चाहिए। प्रमुख पर्यटक स्थलों से निकली वोल्वो बसों ने इस बार भी दिल्ली लूटी है, तो इस प्रतिस्पर्धा में आंसू पोंछ कर कुछ नहीं मिलेगा। खास तौर पर वोल्वो बसों की सरकारी सेवा में हारतीं सीटें, सरकारी बर्ताव, रखरखाव और यात्री सुविधाओं की कमजोरी दिखाई देती है। बेशक एचआरटीसी आम हिमाचली की गाड़ी है, लेकिन पर्यटन की बढ़ती क्षमता में सरकारी बसों की हिस्सेदारी क्यों घट रही है, इसके ऊपर विचार करना होगा। अगर एचपीटीडीसी और एचआरटीसी हाथ मिलाएं तथा दोनों की क्षमता को जोड़ते हुए साझी मार्किटिंग का हुनर दिखाएं, तो पर्यटन के हर पहलू में दोनों का आर्थिक उजाला होगा। मसलन एचआरटीसी के ट्रैवल पैकेज में दिन का भ्रमण अगर परिवहन निगम सुनिश्चित करते हुए रात्रि विश्राम सरकारी होटल में कराए, तो इस युगलबंदी को छूने के लिए निजी क्षेत्र को भी मेहनत करनी होगी। एचआरटीसी के पास तमाम बस स्टैंड कल के मॉल, महापार्किंग स्थल और पर्यटन केंद्र बन सकते हैं, बशर्ते संपत्तियों के इस्तेमाल का नजरिया बदले। एचआरटीसी अपने तौर पर प्रदेश में भोजनालय श्रृंखला खड़ी करके यात्री और यात्रा के बीच एक अनूठा सामंजस्य पैदा कर सकती है। इसी तरह अंतरराज्यीय मार्गों पर अगर यात्री सुविधाएं प्रदान करने की मिलकीयत में एचआरटीसी निवेश करे, तो सरकारी बसों के साथ भरोसा बढ़ेगा। एचआरटीसी की सफलता के मानक अलग नहीं हो सकते और न ही निजी ट्रांसपोर्ट को देखे बिना यह आगे बढ़ पाएगी। प्रदेश के समूचे परिवहन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देकर परिवहन निगम का नेतृत्व करने के लिए जनता का विश्वास, नवाचार, ऊर्जा, यात्री संवेदना और व्यापारिक उद्देश्य अर्जित करने पड़ेंगे।

फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ

अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40% की कमी को दर्शाया गया है। स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15% की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया

गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60% बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है। कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। WHO दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए "स्क्रीन-फ्री डेज़" शुरू किए हैं। स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है।

दृष्टि कोण

जड़ भी चेतन है...

विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन की शक्ति के बिना किसी भी वस्तु का निर्माण संभव नहीं है। थोड़ा और आगे बढ़ें तो हम पाते हैं कि प्रोटोन के बिना कोई भी वस्तु रूप-रंग, आकार-प्रकार धारण नहीं कर सकती, भौतिक रूप से प्रकट ही नहीं हो सकती। हम जानते हैं कि प्रत्येक वस्तु और प्राणी की तीन अवस्थाएं हैं : निर्माण, स्थिति और विनाश। स्थिति में परिवर्तन होता है। यदि परिवर्तन न हो तो उसका विनाश संभव नहीं। यदि विध्वंस न हो तो आविर्भूत वस्तु में परिवर्तन नहीं हो सकता, रूपांतरण भी नहीं हो सकता। भौतिक रूप में प्रकट होते ही हम परिवर्तित होने लगते हैं, हम में रूपांतरण होने लगता है और हम नाश की ओर बढने लगते हैं। परिवर्तन महत्वपूर्ण है। यदि कोई भी एक स्थिति बराबर बनी रहेगी और उसमें परिवर्तन नहीं होगा तो प्रकृति में विकृति उत्पन्न हो जाएगी, सृष्टि की मर्यादा भंग होने लगेगी। विकृति उत्पन्न न हो और सृष्टि की मर्यादा भी न भंग हो, इसके लिए परिवर्तन और विध्वंस आवश्यक है। अस्तित्व अपने आपको तीन रूपों में अभिव्यक्त कर रहा है। अस्तित्व की अभिव्यक्ति इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से है। इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, हर प्राणी और खुद हम भी अगर इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से ही बने हैं तो फिर फर्क कहां है? और अगर फर्क है ही नहीं तो किसी भी वस्तु या प्राणी से उपेक्षा कैसे हो सकती है, नफरत कैसे हो सकती है? यही कारण है कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सब की जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। हम अगर जड़ और चेतन की बात करें तो एक आधारभूत बात को समझे बिना हम सत्य तक नहीं पहुंच सकते। इस सृष्टि में हम मानवों के अलावा पशु-पक्षी, कीट-पतंग, जलचर जीव, पेड़-पौधे आदि भी हैं और हम सब इन्हें 'जीवित प्राणी' मानते हैं, पेड़-पौधों तक को हम जीवित मानते और जानते हैं। अब जरा आगे सोचिए। एक पेड़ तो जीवित है, लेकिन अगर हमने उसकी कोई शाख काट ली, तो हमारी नजरों में वह जीवित पेड़ के बजाय मृत लकड़ी बन गई। पेड़ पर थी, तो जीवित थी, पेड़ से कट कर लकड़ी रह गई तो मृत हो गई। हम ऐसा ही मानते हैं, और इस तथ्य के बावजूद मानते हैं कि कोई भी पदार्थ इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के बिना बन ही नहीं सकता। इस ब्रह्मांड में हमें दिखने वाली हर चीज, जीवित या मृत, इन तीनों में से कम से कम किसी एक का रूप है या वह इनके संयोग से बनी है। विज्ञान हमें यह भी बताता है कि हर अणु अंततः 'ऊर्जा' ही है, एनर्जी ही है। यह ऊर्जा सदैव गतिमान है। पत्थर हो, लकड़ी हो, मिट्टी हो, सब में ऊर्जा है और यह ऊर्जा सदैव गतिमान है, सदैव गति में है। माइक्रोस्कोप की सहायता से हम इन अणुओं की गति देख सकते हैं। अगर पत्थर में, लकड़ी में, मिट्टी में अणु हैं तो उनमें गति है, यानी, जीवन है, यानी, जड़ भी असल में जड़ नहीं है, 'चेतन' है। यही कारण है कि 'सहज संन्यास मिशन' बार-बार इस बात पर जोर देता है कि चूंकि इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, हर प्राणी और खुद हम भी इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से ही बने हैं तो फिर कहीं भी कोई भी फर्क नहीं है, और अगर फर्क है ही नहीं तो किसी भी वस्तु या प्राणी से उपेक्षा कैसे हो सकती है, नफरत कैसे हो सकती है? भेदभाव खत्म, नफरत खत्म, ऊंच-नीच की भावना खत्म तो हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, निरुद्देश्य। यह प्रेम वैसा ही है जैसा एक मां अपने बच्चों से करती है, उनकी कमियों, गलतियों और अपराधों के बावजूद निश्छल प्रेम – ममतामयी दयालुता, लविंग काइंडनेस। सहज संन्यास मिशन के अनुगामी के रूप में हम सबका मानना है कि दुनिया माया नहीं है, जीवन सपना नहीं है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। आध्यात्मिकता का अर्थ है कि हम सबके प्रति दया का भाव रखें, प्रेम का भाव रखें, जहां तक संभव हो, निस्वार्थ भाव से सहायता करें। हम खुद को बदलें, हमारे अंदर के परिवर्तन से ही सब कुछ बदलेगा। हमारा नजरिया बदलेगा तो हम बदलेंगे। हम बदलेंगे तो परिवार बदलेगा, समाज बदलेगा, देश बदलेगा, दुनिया बदलेगी। जब तक हम खुद नहीं बदलेंगी, हमारी दुनिया नहीं बदलेगी। हमारे संपर्क में आने वाले लोग हमारी दुनिया हैं। हम बदल जाएंगे तो शायद हम उन लोगों में बदलाव ला सकेंगे जो हमारे संपर्क में आते हैं। हम ही नहीं बदले तो बाकी सब बदल भी जाए तो भी हमारे लिए वह बदलाव अर्थहीन ही रहेगा। मार्केटिंग के इस युग में आध्यात्मिकता भी बिक रही है।

कुछ अलग

नए मौसम का नया मिजाज

कल जो हमारे कातिल थे, आज हमारे साथ हुए अपराधों की सजा सुनाने के लिए न्याय का हथौड़ा पीट रहे हैं। उनकी आंखों का रंग बदल गया है। कल तक उनसे खून बरस रहा था, वे रक्तवर्णी हो रही थीं, आज उनसे शांति के पैगाम आ रहे हैं, मानवधर्मी सफेद पताकाएं फहरा रही हैं। शांति कपोतों का मोल बढ़ गया। अपने दोनों हाथों से उन्हें किसी मंच से उड़ाओगे, तो उस मंच की अभ्यर्थना कर रही हजारों की भीड़ गदगद हो जाएगी। लोग लिबास बदलने की तरह अपने मूल्य और आदर्श बदल रहे हैं। इनसानों की बस्तियां जलाने वाले लोग अब फायर ब्रिगेड के जांबाज कर्मचारी बन आग पर पानी की बौछार करते नजर आते हैं। अरे यही तो थे जो कल इस जलती हुई आग पर तेल डालने का काम कर रहे थे, और इसे अपना पुण्य कर्म बता रहे थे। अमानवीयता का सैलाब गुजर गया। पीछे घोंघे, पत्थर, कूड़ा-कर्कट ही नहीं छोड़ गया, कुछ सरकटी लाशें भी छोड़ गया। अजब मंजर था वह। लोग तिरंगे फहरा कर, भारत माता की जय चिल्लाते हुए एक-दूसरे की पीठ में छुरे घोंप रहे थे। अब जब मुखौटा बदलने का वक्त आया तो लोग एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर घायलों के जख्मों पर मरहम लगाते देखे जा रहे हैं। दंगों का सैलाब गुजर गया, अब सम्मान पत्र बांटने वाले, या अपना अभिनंदन स्वयं ही करवा लेने वाले सामने आ रहे हैं, कि देखो बंधु, हमने दंगों की इस पीड़ा को अपने बदन पर नहीं, बल्कि अपनी आत्मा पर झेला है। इसीलिए तो फसाद और खून के उन दिनों में हमने घिरे हुए अभागों की भूख-प्यास की सुध ली। उनके अटूट लंगर की कड़ी को टूटने नहीं दिया। हम उन्हें अपनी पीठ थपथपाते हुए देखते रहे कि हां, उत्पाती दिनों में इन लोगों ने दस रुपए की पानी की बाल्टी बीस रुपए में बेची है। वे मुंह मांगी कीमत प्राप्त कर सके, इसके लिए यह भी हो सकता है कि उन अशांत दिनों में उन्होंने पानी की आपूर्ति खुद ही बाधित कर दी हो। अब कारवां गुजर जाने के बाद उसके गुब्बार को पछाडऩे के लिए, जल आपूर्ति से लेकर भूख आपूर्ति तक करते हुए अब समय सारथी बन हर तरह की प्रवंचना से जूझ जाने का संदेश दे रहे हैं। एक चेहरे पर समयानुसार दूसरा चेहरा लगा लेना, और अपनी पीठ खुद ही थपथपा अपने आपको क्रांतिवीर घोषित कर देने का यह उद्घोष हम हर क्षेत्र और हर समय में देखते-सुनते आ रहे हैं। इन दिनों इसका रिवाज कुछ अधिक हो गया है, क्योंकि सुना है जो असल हकदार थे, वे तो इस पहचान और अभ्यर्थना के मेले में लुट गए साहिब, और तमाशबीन दुकानें सजा कर बैठ गए, जहां आपके लिए पुरस्कार से लेकर सम्मान पत्र तक सब नीलाम हो रहे हैं। आधी रात को 'खून का बदला खून' चिल्लाने वाले शूरवीर सुबह होते ही सूरजमुखी बन कर शांति का सूरज उगा देने के पैरोकार बन गए, क्योंकि यह बात तो उनके बड़े-बूढ़े पहले ही बता गए थे, कि बरखुरदार गंगा जाओ तो गंगाराम बन जाओ, और जमना जाओ तो जमना दास बनने की घोषणा कर दो। कालांतर में यह समझ उन्हें दलबदलू बनने की प्रेरणा देती है। अपनी टोपी बदल कर वे कभी शर्मिंदा न हुए, बल्कि इसे आत्मावलोकन कह अपनी समझ का नया पड़ाव हमें समझा इसे न्यायसंगत ठहरा गए। आजकल दलबदलू कानून भी उनका अवरोध नहीं कर पाते। गठजोड़ संस्कृति आ गई है। लोग एक-दूसरे के विरुद्ध कीचड़ उछालते हुए चुनाव लड़ते हैं, बाद में सत्ता पर कब्जा जताने के लिए एक-दूसरे के साथ गठजोड़ करते हुए उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती।

देश दुनीया से

महंगे सोने-चांदी से सांसत में उपभोक्ता

भारत वर्ष में प्रकाशोत्सव दीपावली का पर्व धूमधाम से संपन्न हो गया। भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। शायद ऐसा बोलने से आशय शताब्दियों पूर्व भारत धनधान्य सोने-चांदी, पशुधन और खाद्य पदार्थों के मामले में विश्व भर में भरपूर सम्पन्न एवं आत्मनिर्भर रहा होगा। भारतीय धर्म संस्कृति एवं स्थानीय रीति-रिवाजों के हिसाब से भारतीयों में सदैव सोने के प्रति दीवानगी एवं आकर्षण पाया गया है। हमारे देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के श्रृंगार में हीरे जवाहरात और सोने के आभूषणों का प्रयोग बहुतायत में देखा जा सकता है। भारतीय महिलाओं द्वारा शादी और धार्मिक अनुष्ठानों अथवा विशेष कार्यक्रमों में आभूषणों द्वारा अपना श्रृंगार करना अभी भी प्रचलन में है। भारत में सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार ने सोने और चांदी पर सीमा शुल्क 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया था, तथापि सोने-चांदी के दाम निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस बार धनतेरस पर 36 टन सोने की बिक्री हुई है और इसमें 20 फीसदी का उछाल देखा गया है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार इस धनतेरस पर 28000 करोड़ रुपए के 36 टन सोने की बिक्री हुई है। इस धनतेरस पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने भी लंदन से 102 टन सोना भारत वापस शिफ्ट कर लिया है। आपको बता दें कि सितंबर के अंत में आरबीआई के पास कुल 855 टन सोना था। इसमें से 510.5 टन सोना देश में रखा गया है। आजकल आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों के चलते अपने बच्चों की शादी की तैयारियों में जुटे अभिभावकों में भय और असमंजस का माहौल व्याप्त है। बेहतर रिटर्न के दृष्टिकोण से भी लोग सोने की खरीददारी कर उसमें अपना धन निवेश कर रहे हैं। इस समय सोने में निवेश से 57 फीसदी से ज्यादा रिटर्न भी मिल रही है। वल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारत में आम लोगों के पास करीब 25000 टन सोना है, जिसमें से अकेले भारतीय महिलाओं के पास 20000 टन सोना है। भारत में सोने का सालाना उत्पादन पंद्रह सौ किलोग्राम के आसपास है जबकि भारत हर साल 750 टन सोना आयात करता है। सोने के दामों में आगे कोई कमी आएगी, इस पर भी संशय बरकरार है। दुनिया भर में कुल सोने का 48 फीसदी जेवरात के रूप में लोगों के पास है। विश्व भर में अब तक 1 लाख 90 हजार 40 टन सोना निकाला गया है, जिसमें से 01 लाख 26 हजार टन सोना तो केवल 1950 के बाद ही खनन द्वारा उत्पादित किया गया है। इसके अलावा मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस जैसे निजी बैंकों के पास भी 200 टन सोना है। मंदिरों के पास भी करीब 2500 टन सोना है। अकेले तिरुपति स्थित बालाजी मंदिर ट्रस्ट के पास 300 टन सोना होने का अनुमान है। दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उत्पादक देश चीन है और इसकी दुनिया के सोने के उत्पादन में 11 फीसदी की हिस्सेदारी है। साल 2023 में चीन ने 370 मीट्रिक टन सोना उत्पादित किया था। विश्व में अन्य प्रमुख सोने के उत्पादक देशों में ऑस्ट्रेलिया, रूस, कनाडा, क्यूबा और फिलीपींस आदि हैं। एसोचैम के अनुसार भारत की सोने की घरेलू मांग सालाना लगभग 900 टन है जबकि उत्पादन मात्र 1500 किलोग्राम के आसपास ही है। वल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकता है और इसके लिए भारत सरकार को लगभग एक अरब डॉलर का निवेश करना पड़ेगा। वहीं गोल्डमाइंस कम्पनी आस्ट्रेलिया के निदेशक निक स्पेंसर का मानना है कि भारत हर साल 100 टन सोने का उत्पादन कर सकता है और इस प्रक्रिया में देश के एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकता है।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राजस्थान के उदयपुर जिले में सोने के लगभग 11.48 करोड़ टन सोने के भंडार का अनुमान लगाया है। देश का 88.7 फीसदी सोना कर्नाटक के कोलार, धारवाड़, हासन और रायचूर जिलों से निकाला जाता है। कर्नाटक में 17 लाख टन सोने के अयस्क का भंडार है तो वहीं आंध्रप्रदेश, झारखंड और केरल से भी कुछ मात्रा में सोना निकाला जा रहा है। उत्पादन के लिहाज से दुनिया में सोने की सबसे बड़ी खदान उज्बेकिस्तान के मुरुताऊ में है। 2015 में यहां से 61 टन सोना निकाला गया था। विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दिनों में सोने-चांदी के दामों में और तेजी देखने को मिलेगी। सर्राफा व्यापारियों के अनुसार पहले लंबे समय तक इन कीमती धातुओं के दाम स्थिर रहते थे और खरीददारों में संतुष्टि का भाव रहता था कि जरूरत पडऩे पर खरीद लेंगे। लेकिन बीते कुछ वर्षों से इन धातुओं के अंतरराष्ट्रीय बाजारों और शेयर मार्केट के साथ संबद्ध होने के चलते इनके दामों में तेजी दर्ज की जा रही है। भारत सरकार घरेलू मांग को पूरा करने के लिए 90 फीसदी से ज्यादा सोने का आयात करती है जिस पर बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है। आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों से स्वर्ण कारोबारियों के साथ-साथ शादियों एवं मांगलिक कार्यों हेतु आभूषण खरीदने वाले लोगों की धुकधुकी बढ़ी हुई है। उम्मीद है कि केंद्र सरकार शीघ्र ही आभूषण उद्योग एवं स्वर्णकारों के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करते हुए सोने-चांदी के दामों को नियंत्रित करने के उपायों पर काम करेगी। यदि आने वाले महीनों में इसी प्रकार सोने-चांदी के दामों में बढ़ोतरी होती रही तो निश्चित रूप से मध्यम एवं निम्न आय वर्ग वाले भारतीयों के लि यह संकट और जोखिम का समय होगा।

आप का नजरीया

मदरसे अवैध नहीं

सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ-साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। दरअसल यह फैसला ऐसे देश में मौलिक और महत्वपूर्ण है, जहां अत्यधिक शैक्षिक संस्थान धार्मिक संस्थाओं, संगठनों से संबद्ध हैं। यह अल्पसंख्यक अथवा बहुसंख्यक समुदाय का सवाल नहीं है। यह शिक्षा के बुनियादी दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा मामला है। तो फिर मदरसों पर आपत्ति जताते हुए, उनसे संबद्ध कानून को, 'असंवैधानिक' कैसे करार दिया जा सकता है? न्यायिक पीठ ने आकलन करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की है-चूंकि शिक्षण संस्थान या मदरसा किसी अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ा है और उसकी मजहबी शिक्षाओं को भी पढ़ाया जा रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वह संस्थान 'शिक्षा' की परिधि से बाहर कर दिया जाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को अधिकार दिए गए हैं कि वे अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित कर सकते हैं। उसी के तहत मदरसे लगातार खुलते रहे हैं। दरअसल मदरसों को 'आतंकवाद के अड्डे' और 'इस्लाम के प्रचारक संस्थान' करार दिया जाता रहा है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि राज्य सरकार मदरसों के पाठ्यक्रम को नियमित और संशोधित कर सकती है। कुरान के साथ-साथ गणित और विज्ञान जैसे विषय भी पढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन मदरसे 'कामिल' और 'फाजिल' (स्नातक, स्नातकोत्तर) की जो डिग्रियां बांटते रहे हैं, वे 'अवैध' हैं, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम के खिलाफ है। आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ही ऐसी डिग्रियां देने को अधिकृत हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज किया है, क्योंकि उच्च न्यायालय ने अधिनियम को 'असंवैधानिक' माना था और उप्र के सभी मदरसों को बंद करने का आदेश दिया था। इस सर्वोच्च फैसले से मदरसों में पढऩे वाले 12,34,388 छात्रों का शैक्षिक भविष्य सुरक्षित रह सकेगा और 13,364 मदरसों के अस्तित्व कायम रह सकेंगे। मदरसों में हजारों शिक्षक भी पढ़ाते हैं, लिहाजा वे एकदम बेरोजगार होने से बचेंगे। मदरसों की जमात अलग-अलग है। कोई मदरसा राज्य सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त करता है, तो कोई ऐसी मदद को 'इस्लाम-विरोधी' मानते हुए नहीं लेते और अपने संसाधनों के बूते ही मदरसे चलाते हैं। फिलहाल उप्र के मदरसा कानून पर सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। इसी के आधार पर देशभर के मदरसा बोर्ड और उनके प्रबंधक शीर्ष अदालत तक दस्तक दे सकते हैं।

धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नहीं चलता : पं. धीरेंद्र शास्त्री

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा में बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी पांच दिवसीय हनुमंत कथा के दूसरे दिन गुरुवार पत्रकारों से चर्चा के दौरान सनातन संस्कृति, हिंदू राष्ट्र, और समाज सुधार से संबंधित कई विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। शास्त्री ने कहा कि हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह न केवल अपने परिवार बल्कि देश और सनातन संस्कृति की भी रक्षा करे। उन्होंने कहा, प्रत्येक भारतीय को अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान और सुरक्षा के भाव के साथ माला और भाला अपने पास रखना चाहिए, ताकि समाज में आत्मरक्षा की भावना प्रबल हो। बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नहीं चलता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति में धर्म का इस्तेमाल वोट बैंक के रूप में नहीं होना चाहिए। शास्त्री ने इसे देश का दुर्भाग्य बताया कि राजनेता अपने फायदे के लिए धर्म का इस्तेमाल करते हैं। हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर शास्त्री ने कहा कि जैसे अन्य देशों में बहुसंख्यक समाज को प्रमुखता मिलती है, वैसे ही भारत में भी हिंदुओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ऐसा देश बने, जहां विदेशों से आने वाले हिंदू शरण ले सकें। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले कुछ समय से भारत में रह रही हैं, और भारत का यह स्वभाव है कि हम अपनी सीमाओं और मेहमानों को सुरक्षित रखते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने समाज सेवा के कार्यों पर चर्चा करते हुए बताया कि अब तक वे 1000 से अधिक निर्धन और आदिवासी बच्चियों का विवाह करा चुके हैं, जिनके माता-पिता नहीं होते। उन्होंने बताया कि आगामी 26 फरवरी, 2025 को 251 जोड़ों के लिए एक सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन करेंगे, जिसमें विशेष रूप से उन बच्चियों को शामिल किया जाएगा जिनके परिवार नहीं हैं। प्रत्येक दलित दूल्हे की बिंदोरी निकाली जाएगी, और शास्त्री स्वयं इस समारोह में भाग लेकर व्यवस्था संभालेंगे। प्रयागराज महाकुंभ में मुस्लिम समुदाय को दुकानें न देने के सवाल पर शास्त्री ने कहा, मक्का-मदीना में हमारे हिंदुओं को दुकान लगाने की अनुमति नहीं मिलती, तो फिर हमारे महाकुंभ में उनकी दुकानों का क्या औचित्य है? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की तरह सनातन धर्म बोर्ड का भी गठन होना चाहिए, ताकि सनातनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा की जा सके। उन्होंने वक्फ बोर्ड को समाप्त करने या फिर सनातन बोर्ड के गठन की आवश्यकता पर बल दिया। धीरेंद्र शास्त्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं की पहचान और शक्ति को पहचाने और समाज में आदर्श स्थापित करें। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, आप ऐसे बनें कि लोग आपके पीछे सेल्फी लेने के लिए दौड़े, न कि आपको दूसरों के पीछे दौड़ना पड़े। लव जिहाद के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में यह समस्या बढ़ती जा रही है, और युवाओं को इससे सावधान रहना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू समाज में एकता की कमी पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज अक्सर अपने ही धर्मगुरुओं की आलोचना में समय बिताता है और सोशल मीडिया पर अपने त्योहारों का मजाक बनाता है, जबकि अन्य समुदाय अपने त्योहारों और परंपराओं का पूरी श्रद्धा से सम्मान करते हैं। उन्होंने हिंदुओं को एकजुट होकर सनातन धर्म की रक्षा करने की अपील की। शास्त्री ने उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि आज का हिंदू समाज पहले जैसा नहीं रहा, अब हिंदू समाज जागरूक हो चुका है। उन्होंने कहा, अगर किसी ने हिंदुओं को छेड़ा, तो हिंदू उसे छोड़ेगा नहीं। शास्त्री ने हालिया घटनाओं को देखते हुए समाज से एकजुट रहने की अपील की।

राहुल गांधी के राजघरानों को लेकर विचार निंदनीय : शेखावत

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी का भारत की समृद्ध विरासत के विषय में अज्ञान और औपनिवेशिक मानसिकता ने सभी सीमाओं को पार कर दिया है। उनके विचारों से भारत के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण में राजघरानों के योगदान का बेशर्मी के साथ मजाक उड़ाया गया है, जो अत्यंत निंदनीय है। शेखावत ने कहा कि हजारों साल में सनातन पर जितने भी हमले हुए, उन्हें राजस्थान के राजा-महाराजाओं ने पीढ़ियां कुर्बान करके बचाया। सनातन संस्कृति के मानबिंदुओं की रक्षा के लिए इन्होंने हमेशा बलिदान दिया। आज अगर इस देश में सनातन और हिंदुत्व जिंदा है तो उसका केवल और केवल कारण भारत के इन राजपरिवारों का बलिदान है। राहुल गांधी के लिखे एक आलेख की निंदा करते हुए शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की भारतीय इतिहास की समझ कितनी भ्रष्ट और सलेक्टिव है, यह उनके आलेख से जाहिर होता है। यह हैरानी भरा है कि जो नेता भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपने को भारतीय जन-गण और मन के साथ ईमानदारी से खड़ा होने का दावा करता रहा है, वह अपने देश के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण के ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में किस तरह कूपमंडुकता का शिकार है। शेखावत ने कहा कि राहुल और उनकी पार्टी के विचार आज भी गुलामी और औपनिवेशिकता की ग्रंथि से ग्रस्त हैं, जो उस भ्रष्ट इतिहास बोध को दिखाती है, जिसके तहत वे आजादी के बाद मुगलों और मुस्लिम आक्रांताओं के इतिहास को ही देश का इतिहास बताते रहे हैं। राहुल का आलोख उस मानसिकता को दिखाता है, जो भारतीय गौरव और स्वाधीन चेतना के महाराणा प्रताप व वीर शिवाजी जैसे अमर नायकों को इतिहास की किताबों के साथ, लोगों की स्मृति से भी दूर करने कोशिश में जुटी रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो लोग कश्मीर में तिरंगा फहराने से भी डरते थे, वे आज कश्मीर की भारत के साथ एकजुटता के इतिहास को कलंकित कर रहे हैं।

उपचुनाव में कांग्रेस कहीं पर नहीं सभी सातों सीटों पर कमल का फूल खिलेगा : प्रदेश प्रभारी

जयपुर (हिंस)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने दावा किया है कि राजस्थान में उपचुनाव की सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी एक तरफ अच्छे बहुमत के साथ जीत रही है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि हम सातों सीट जीतने जा रहे हैं। हमारा एक-एक कार्यकर्ता पूरी मेहनत और शिद्दत से चुनावी प्रचार में लगा हुआ है। अग्रवाल एक निजी चैनल से बातचीत कर रहे थे। पार्टी में भितरघात की आशंका पर अग्रवाल ने कहा कि टिकट मांगना सबका हक होता है। सबने टिकट मांगा है, लेकिन टिकट एक को मिलता है। कई बार टिकट कटने से मन दुखी होता है। इसे विरोध नहीं कह सकते। अब पार्टी एकजुट है, भारतीय जनता पार्टी के अनुशासन का प्रतीक है कि टिकट मांगने वालों को जब टिकट नहीं मिला है तो सबने अपना नाम वापस लिया है और पूरी मेहनत के पार्टी के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। कहीं कोई भी भितरघात नहीं है। मुख्यमंत्री-अध्यक्ष सब एकसाथ उपचुनाव में लगे हुए हैं। चुनाव परिणाम आने दीजिए सभी सातों सीटों पर कमल का फूल खिलेगा। इस बार उपचुनाव में कांग्रेस कहीं पर भी नहीं है। मौजूदा सरकार पर कांग्रेस नेताओं की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर राधा मोहन दास ने कहा कि उनके पास झूठ के सिवाय बचा ही क्या है? कांग्रेस ने इतने ही काम किए होते तो 2023 में हटाए क्यों गए होते? पांच साल तो उनका शासन था। पांच साल लोगों ने उनका शासन देखा है। शासन नहीं लूट मची हुई थी। उनका हर मंत्री करप्शन में लिपटा हुआ था। उनके अधिकांश कार्यकर्ता सत्ता को लूटने के लिए काम कर रहे थे। जनता उनसे त्रस्त हो चुकी थी, तभी तो भाजपा को लेकर आई थी। अभी तो अपने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार को पूरा एक साल नहीं हुआ और हमने ढेर सारे काम कर डाले हैं। जनता अब नहीं सुनने वाली है कांग्रेस को। अब इनका भ्रम चलने वाला नहीं है। जो गुमराह करना था कर चुके, जनता ने उन्हें पूरी तरीके से मुंह तोड़ जवाब दिया है। सात सीटों पर कहीं पर भी कांग्रेस खड़ी नहीं है बीजेपी सभी सीटों पर जीत रही है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दो-दो मंत्रियों पर जांच शुरू होने को लेकर प्रदेश प्रभारी ने कहा कि अब हमने तो उनसे नहीं कहा था कि भ्रष्टाचार करें। भ्रष्टाचार वह करते हैं और पकड़े जाते हैं तो राजनीतिक द्वेष का आरोप लगाते हैं। ईमानदार रहे होते और ईमानदारी से जनता की सेवा किए होते तो उनका कोई कुछ बिगाड़ सकता था? कांग्रेस नेताओं ने पैसा कमाते समय नहीं सोचा था कि इतना बेदर्दी कमा रहे हैं तो आज नहीं कल परसों जनता हिसाब ले लेगी।

विधानसभा चुनाव में राजनीति करना पड़ा महंगा, एबीपीओ निलंबित

फतेहाबाद (हिंस)। जिले की रतिया विधानसभा में चुनाव के दौरान पंचायत विभाग के एक कर्मचारी को राजनीति करनी महंगी पड़ गई है। रतिया उपमंडल के नागपुर के मनरेगा एबीपीओ रणधीर सिंह को मनरेगा जिला अधिकारी ने वीरवार को सस्पेंड कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार नागपुर के मनरेगा एबीपी रणधीर सिंह की विधानसभा चुनाव के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने शिकायत की थी कि रणधीर सिंह सरकारी कर्मचारी होते हुए भी राजनीतिक कार्यों में भाग ले रहा है और कांग्रेस उम्मीदवार जरनैल सिंह के राजनीतिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है। शिकायतकर्ता ने कांग्रेस के कार्यक्रमों के दौरान रणधीर सिंह के भाग लेने की वीडियोग्राफी और फोटो भी चुनाव आयोग को उपलब्ध करवाई थी, जिसके बाद सरकार के निर्देशों पर एसडीएम रतिया जगदीश चंद्र ने जिला विकास एवं पंचायत विभाग के साथ तहसीलदार की एक जांच कमेटी बनाई थी। जिला पंचायत एवं विकास विभाग व तहसीलदार के अधिकारियों द्वारा पूरे मामले की गहराई से जांच की गई थी। इस छानबीन के दौरान यह पाया गया कि रणधीर सिंह द्वारा कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम में हिस्सा लिया गया था जिसको देखते हुए उन्होंने अपनी रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दी थी। जिला अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद आज मनरेगा के उच्च अधिकारियों ने एबीपी रणधीर सिंह को सस्पेंड कर दिया। इसके आदेश भी विभाग अधिकारियों को भेज दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों के दौरान काफी संख्या में कर्मचारियों ने कांग्रेस पार्टी के चुनाव कार्यक्रम में भाग लिया था और खुलकर चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की मदद भी की थी। चुनावों के बाद सरकार बीजेपी की बन गई थी, जिसके बाद भाजपा नेताओं ने पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। रतिया के एसडीएम जगदीश चंद्र ने बताया कि सरकार के निर्देशों पर उन्होंने इस मामले में जांच कमेटी गठित की गई थी।

सांसद सीपी जोशी ने उप चुनाव में मिली जिम्मेदारियों के चलते किया तुर्की का कार्यक्रम निरस्त

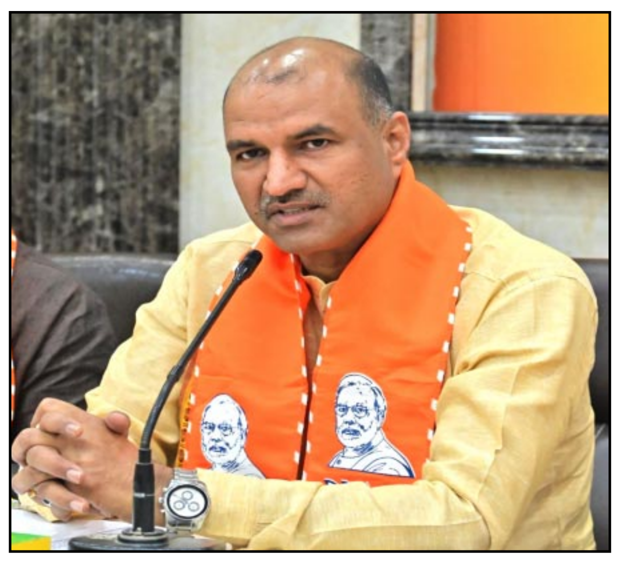

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने उप चुनाव में मिली जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए तुर्की में होने वाला दो दिवसीय कार्यक्रम निरस्त कर दिया है। सीपी जोशी का 8 नवंबर को तुर्की जाने का कार्यक्रम था, वहां अनेक देशों के सासंदों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की जानी थी। सांसद सीपी जोशी उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशीयों के समर्थन में प्रचार करने के लिए 9 नवंबर को देवली-उनियारा विधानसभा के देवली देहात मंडल की ग्राम पंचायत नासिरदा, देवलीगांव, राजमहल, संथली, बंथली और दूनी मंडल की ग्राम पंचायत देवड़ावास व दूनी आदि ग्राम पंचायतों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में होने वाली सभाओं और कार्यक्रमों में शामिल होंगे व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे। सीपी जोशी 10 नवंबर को झुंझुनूं प्रवास पर रहेंगे। गौरतलब है कि 5 नवंबर को भी सीपी जोशी ने सलूम्बर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार कर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया था।

ऑपरेशन लाडली : प्रदेश में बाल विवाह रोकथाम के लिए पुलिस विभाग चलाएगा अभियान

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में बाल विवाह रोकने के लिए पुलिस विभाग चार दिवसीय अभियान चलाएगा। पुलिस महानिरीक्षक सिविल राइट्स जय नारायण ने आदेश जारी कर बाल विवाह जैसी कुप्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिए सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को *ऑपरेशन लाडली* अभियान की क्रियान्विति करने के निर्देश जारी किए हैं। अभियान के दौरान पुलिस लोगों को विभिन्न तरीकों से समझाइश कर कम आयु के बच्चों को जागरूक करेगी। आईजी जय नारायण ने बताया कि समाज में प्रचलित बाल विवाह जैसी कुप्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिए पूरे प्रदेश में *ऑपरेशन लाडली* अभियान चलाया जा रहा है। आगामी 12 नवम्बर को अबूझ सावे पर होने वाले बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिए पुलिस विभाग 11 से 16 नवंबर लगातार छह दिन तक यह अभियान संचालित कर रहा है, जिसकी क्रियान्विति सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस जिला, खंड, स्कूल, ग्राम स्तरीय एवं सेवा प्रदाताओं की कार्यशाला का आयोजन कर उपस्थित प्रतिभागियों को अभियान के प्रति संवेदनशील बनाएगी। विभिन्न माध्यमों जैसे सेवा प्रदाताओं की दुकानों एवं प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन, जागरूकता रैली, शासकीय व धार्मिक कार्यक्रमों में बाल विवाह नही करने की शपथ, जिंगल, डॉक्यूमेंट्री, नुक्कड़ नाटक, होर्डिंग के साथ दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन आदि के द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रभावी जनजागरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालकों को बाल विवाह कानून के प्रति भी पुलिस जागरूक करेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग थाना स्तर पर कार्यरत सीएलजी सदस्यों एवं सुरक्षा सखियों का बाल विवाह की रोकथाम के लिए वांछित सहयोग प्राप्त करने के साथ मुखबिर प्रोत्साहन योजना को सुदृढ़ करेगी।

चुनावी धांधलियों पर अब सुप्रीम कोर्ट जाएगी हरियाणा कांग्रेस

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने चुनाव में कांग्रेस की हार के लिए ईवीएम तथा गलत टिकट वितरण को जिम्मेदार ठहराया। उदयभान ने कहा है कि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान धांधलियों की शिकायतों पर चुनाव आयोग के सुनवाई नहीं किए जाने पर अब कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में यह लड़ाई लड़ेगी। गुरुवार को चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में उदयभान ने स्वीकार किया कि कुछ हलकों में टिकट आवंटन में भी गड़बड़ हुई। उन्होंने प्रदेश में संगठन नहीं होने को भी चुनाव में हार का एक कारण बताया। उन्होंने संगठन गठन न होने के लिए उन्होंने सीधे तौर पर हरियाणा मामलों के प्रभारी दीपक बाबरिया को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन गठन को लेकर कई बाद लिस्ट प्रदेश प्रभारी को भेजी गई, लेकिन उन्होंने इन लिस्ट को कभी आगे (हाईकमान) भेजा ही नहीं। अपने पास ही लेकर बैठे रहे। चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी पर इस्तीफा देने संबंधी सवाल पर उदयभान ने कहा कि यह मेरे और पार्टी नेतृत्व के बीच का मामला है। कांग्रेस विधायक दल के नेता से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने पार्टी विधायकों के साथ वन-टू-वन बातचीत करके फीडबैक लिया जा चुका है। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट नेतृत्व को भेजी जा चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 13 नवंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले विधायक दल के नेता का नाम पर फैसला हो जाएगा। प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी से इंकार करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा। माहौल भी कांग्रेस के पक्ष में था।

जम्मू-कश्मीर को फिर से मजहबी उन्माद में धकेलना चाहती है कांग्रेस : योगी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार ने वहां की विधान सभा में अनुच्छेद 370 और 35ए को फिर लागू किए जाने का जो प्रस्ताव पारित किया है, कांग्रेस उसका विरोध करे अन्यथा देश में उसकी वही स्थिति हो जाएगी जो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35ए की हुई है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ गुरुवार को गोमती नदी के किनारे आयोजित छठ महोत्सव में पहुंचे। उन्होंने भोजपुरी में ही श्रद्धालुओं को छठ पर्व की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में भारत की संस्कृति का अलग स्थान है और भोजपुरी ने तो अपनी संस्कृति और मिठास के रूप में अलग ही पहचान बना कर रखा है। मुझे प्रसन्नता है कि 40 सालों से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। छठ पर्व आज भोजपुरी समाज का नहीं बल्कि दुनिया का महोत्सव बन गया है। योगी ने कहा कि इसका भाव यह है कि हमसब भेदभाव भूलकर एक समरस समाज का निर्माण करें। जाति, क्षेत्र और भाषा का बंधन नहीं होना चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ हम सब छठ पर्व मनाते हैं। देश ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग इस आयोजन के साथ जुड़कर समरसता को नई ऊंचाई दे रहे हैं। छठी मैया की कृपा के लिए हमसब यह आयोजन करते हैं। यह पर्व सूर्य उपासना से जुड़ा है। सूर्य साक्षात देवता हैं। उनकी कृपा के बगैर जीवन संभव नहीं है। योगी ने कहा कि यह पर्व और त्योहार तभी संभव हैं जब हमारा राष्ट्र सुरक्षित है। इसमें हर व्यक्ति के लिए हर काम देश के नाम होना चाहिए। एक ओर जहां हम लोग समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ तत्व भारत में रहकर भारत की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। याद रखना उन्हें हमें बर्दाश्त नहीं करना है। एक स्वर से 140 करोड़ भारतीय बोलेगा तो दुनिया के किसी में दुस्साहस नहीं होगा कि वह हमारे ओर टेढ़ी नजर कर पाए। अगर हम बंटे हेंगे तो उसका मनोबल बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त किया। आज का भारत किसी को छेड़ेगा नहीं लेकिन जो छेड़ेगा उसको छोड़ेगा भी नहीं। कांग्रेस के समय में बाबा साहब अंबेडकर के न चाहने के बावजूद कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35ए थोप दिया गया। किसी सरकार में उसे हटाने की हिम्मत नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने साहस दिखाते हुए कश्मीर को 370 से मुक्त कराया। आज कश्मीर में शैक्षणिक संस्थान खुल रहे हैं, विकास हो रहा है। युवाओं का भविष्य संवर रहा है। योगी ने कहा कि यह वही कश्मीर है जहां से पहले लाखों की संख्या में कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ना पड़ा था। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस की सरकार ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर कहा है कि 370 फिर से लागू करेंगे। कांग्रेस को विघटनकारी सोच को त्यागना होगा। अब वह लागू नहीं हो सकता। वह अनुच्छेद इतिहास बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

पटना (हिंस)। लोक आस्था का महापर्व छठ का आज तीसरा दिन है। गुरुवार को छठव्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। पटना के एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी डूबते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। मुख्यमंत्री आवास पर नीतीश कुमार के परिवार के सदस्य छठ पूजा कर रहे हैं। पटना के गंगा घाटों का जायजा लेने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी डूबते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद मुख्यमंत्री स्टीमर से पटना के विभिन्न छठ घाटों का जायजा लेने निकल पहुंचे। पटना के विभिन्न छठ घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ा।

दरबार साहिब परिसर में युवती ने सातवीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर स्थित दरबार साहिब में माथा टेकने के लिए आई एक युवती ने गुरुवार को सातवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। लाश को अमृतसर के अस्पताल में रखवाया गया है। दरबार साहिब के प्रबंधक विक्रम सिंह के अनुसार महिला की उम्र करीब 25 साल है। वह आज सुबह 9.30 बजे माथा टेकने आई थी। उसने माथा टेका या नहीं, यह तो पता नहीं चल पाया है, लेकिन वह इसी परिसर में स्थित गुरुद्वारा बाबा अटल राय जी की सातवीं मंजिल पर चढ़ गई और उसने छलांग लगा दी। कूदने के बाद जैसे ही महिला नीचे गिरी तो वह खून से लथपथ थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि वह अकेली आई थी या उसके साथ कोई और भी था। यह लड़की कौन है और कहां से आई है, इसका पता नहीं चल पाया है।

महाकुंभ में होटल और धर्मशाला ही नहीं पेइंग गेस्ट फैसिलिटी का भी लाभ उठा सकेंगे श्रद्धालु

अब तक 50 मकानों को पेइंग गेस्ट के लिए किया गया रजिस्टर्ड, 2 हजार का लक्ष्य

प्रयागराज (हिंस)। महाकुंभ शुरू होने से पहले ही यहां पर आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की देख-रेख में कोई कमी न आने पाए, इसके लिए योगी सरकार ने जमीनी स्तर पर इंतजाम शुरू कर दिए हैं। प्रयागराज के लोगों को अपने मकान में पेइंग गेस्ट फैसिलिटी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को घर जैसा माहौल मिल सके। इसकी शुरुआत भी हो गई है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पर्यटन विभाग के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कराकर गुड बिहेवियर, बेस्ट क्लीनिंग व हॉस्पिटैलिटी की ट्रेनिंग ले रहे हैं। अधिक से अधिक लोगों को इस व्यवस्था से जोड़ने के लिए टोल फ्री नंबर और व्हाट्सएप नम्बर भी जारी कर दिया गया है। इस व्यवस्था से न सिर्फ श्रद्धालुओं को महंगे होटल्स की बजाय पेइंग गेस्ट की बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार का साधन मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि हो सकेगी। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी प्रकार की कोई सालाना फीस या टैक्स भरने की कोई बाध्यता नहीं है। होटल के नॉर्म्स और एनओसी के झंझट में भी नहीं पड़ना होगा। इसमें सिर्फ लैंड डॉक्युमेंट्स और एफिडेविट लगाकर लाइसेंस प्राप्त किया जा सकेगा। सुविधा प्रदान करने का किराया भी मकान मालिक द्वारा ही निर्धारित किया जाएगा। इसमें पर्यटन विभाग का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने बताया कि अब तक 50 मकानों का रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है। काफी फाइलें प्रोसेस में हैं। देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमान नवाजी सरकार की प्राथमिकता में है। सीएम योगी की मंशानुरूप इसमें स्थानीय प्रशासन के साथ साथ स्थानीय लोगों को भी भागीदार बनाने की पहल की जा रही है। पर्यटन विभाग की ओर से फिलहाल 2000 मकानों में पेइंग गेस्ट फैसिलिटी शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। पेइंग गेस्ट फैसिलिटी में श्रद्धालुओं को रहने और खाने की सुविधा प्राप्त होती है। जरूरत के हिसाब से इसकी संख्या और बढ़ाई जा सकती है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि इस योजना से जुड़ने की प्रक्रिया काफी आसान है। ऐसे स्थानीय लोग जिनके पास खुद का मकान है वो इससे जुड़कर इस महान सांस्कृतिक आयोजन में भागीदार बन सकते हैं। इसके लिए क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय से महज 50 रुपए का एक चालान फॉर्म भरकर जमा करना होगा। इसमें कमरों के फोटो और नगर निगम को दिए जाने वाले टैक्स की रसीद लगानी होगी। जिसके बाद पर्यटन विभाग की तरफ से वेरिफिकेशन की एक सामान्य प्रक्रिया पूरी करनी होगी। वेरिफिकेशन के बाद पर्यटन विभाग की ओर से लाइसेंस जारी किया जाएगा। जिसके बाद मकान मालिक पेइंग गेस्ट सुविधा प्रदान करने में सक्षम होंगे। जिन मकानों को पेइंग गेस्ट की सुविधा हेतु लाइसेंस जारी किया जाएगा, उनकी सूची मेला प्रशासन की वेबसाइट और एप पर भी प्रदर्शित की जाएगी। वहां से भी पर्यटक और श्रद्धालु पेइंग गेस्ट फैसिलिटी के लिए एप्रोच कर पाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी के अनुसार वेरिफिकेशन के बाद जो लाइसेंस दिया जाएगा वो 3 साल के लिए मान्य होगा। इसके तहत कम से कम दो और अधिकतम पांच कमरे का रजिस्ट्रेशन कराए जाने की योजना है। लाइसेंस पाने वालों को पर्यटन विभाग की ओर से स्पेशल ट्रेनिंग भी दी जा रही है। उन्हें श्रद्धालुओं और पर्यटकों के साथ अच्छे बर्ताव, उनकी सुविधा का हर तरह से ध्यान रखने के लिए बारीक से बारीक बातें सिखाई जा रही हैं। इसमें मार्केटिंग के साथ सूचना, समस्या समाधान, बेहतर सर्विस, इंटीरियर डेकोरेशन के साथ मेंटेनेंस का ख्याल रखना भी शामिल है। इसके अलावा सिक्योरिटी और भोजन का बेहतर इंतजाम के साथ ही हाइजीन का विशेष ध्यान रखने के विषय में भी गाइड किया जा रहा है। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी प्रकार की कोई सालाना फीस या टैक्स भरने की कोई बाध्यता नहीं है। होटल के नॉर्म्स और एनओसी के झंझट में भी नहीं पड़ना होगा। इसमें सिर्फ लैंड डॉक्युमेंट्स और एफिडेविट लगाकर लाइसेंस प्राप्त किया जा सकेगा। सुविधा प्रदान करने का किराया भी मकान मालिक द्वारा ही निर्धारित किया जाएगा, इसमें पर्यटन विभाग का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने बताया कि अब तक 50 मकानों का रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है। काफी फाइलें प्रोसेस में हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में बढ़ी सोने की चमक, चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये से लेकर 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,810 रुपये से लेकर 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 95,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

जुलाई-सितंबर तिमाही में ग्रामीण खपत शहरी बाजार की तुलना में दोगुनी बढ़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेज़ी देखी जा रही है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में मात्रा वृद्धि के मामले में शहरी क्षेत्रों को पीछे छोड़ दिया गया है। भारतीय एफएमसीजी उद्योग में जुलाई-सितंबर तिमाही में मूल्य और मात्रा दोनों में वृद्धि दर में सुधार दर्ज किया गया है। रिपोर्ट ने दिखाया गया है कि छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों ने गिरावट के बाद वापसी की है। खाद्य उपभोग वृद्धि दर में भी तेजी देखी गई है। खाद्य क्षेत्र की एफएमसीजी कंपनियों की वृद्धि तेज रही है और उन्हें दूसरी संबंधित क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा फायदा मिला है। इसके साथ ही एचपीसी श्रेणियों में भी खपत वृद्धि दर स्थिर रही है। इस तरह की वृद्धि तथा सुधार के संकेत भारतीय बाजार में आगे की सकारात्मक स्थिति की मिली है। व्यापक रूप से उपभोक्ता सहायक क्षेत्रों में इस तरह के सुधारों का प्रभाव महसूस किया जा रहा है जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे दिनों की संभावना दर्शाता है।

पांच कंपनियों को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में किया जाएगा शामिल

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में एक महत्वपूर्ण तारीख का ऐलान हुआ है, जिसमें बीएसई, ओबेरॉय रियल्टी, कल्याण ज्वैलर्स, एल्केम लैबोरेटरीज और वोल्टास इन कंपनियों को 25 नवंबर 2024 से एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल किया जाएगा। यह नवीनतम निर्णय एमएससीआई की नई सूचकांक समीक्षा के आधार पर लिया गया है। इस सूचकांक में जोड़ने से ये कंपनियां एमएससीआई इंडिया के ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के घटक बन जाएंगी। इस पुनर्गठन का निर्णय बाजार में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है, जिससे यह समझना मुश्किल हो जाएगा कि कौन सी कंपनियां अब आगे बढ़ सकती हैं। एमएससीआई वैश्विक निवेश समुदाय के लिए महत्वपूर्ण निर्णय समर्थन उपकरणों तथा सेवाओं का अग्रणी प्रदाता है। उन्होंने इस नए पहल को इंडियन शेयर बाजार में एक नया मील का पत्थर बताया है। एमएससीआई इंडिया की इस नवीनतम सूचकांक समीक्षा के बाद बाजार में रोचकता बढ़ी है और निवेशकों की उत्सुकता में भी वृद्धि हुई है। यह निर्णय भारतीय शेयर बाजार को मजबूती और निर्भरता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

आईबीबीआई ने परिचालन लेनदारों के लिए मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। भारतीय दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। आईबीसी मानदंडों के तहत दिवाला कार्यवाही के लिए आवेदन दाखिल करने से पहले, बोर्ड ने स्वैच्छिक मध्यस्थता तंत्र का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव का होगा न्यायाधिकरण पर बोझ कम करना और प्रक्रिया में तेजी लाने का मानदंड है। इस तरह की मध्यस्थता सिफारिश विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। आईआईपीआई के सुझावों के अनुसार, दिवाला बोर्ड ने हाल ही में मध्यस्थता शुरू करने के लिए चर्चा पत्र जारी किया। इस से परिचालन लेनदारों को संविदात्मक असहमति, गुणवत्ता के मुद्दे, और कम भुगतान के दावे जैसे मामलों पर कॉरपोरेट देनदारों के साथ विवादों का समाधान मिल सकेगा। यह एक अहम कदम है जो कारगरता और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। आईबीबीआई का यह निर्णय देश के दिवाला सेक्टर में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे संविदानिक स्वतंत्रता और दिवाला अद्ययन के दृष्टिकोण से बेहतर माहौल बन सकता है। दिवाला क्षेत्र में सुधार का प्रयास इसे एक पहलु से नए ऊर्जा का संचार कर सकता है। इस तरह भारतीय दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड का यह नया कदम सेंटी. केके पिछले समय की तुलना में एक बड़ी सफलता साबित हो सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 830 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 255 अंक टूटा

नई दिल्ली

शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 830.66 अंक यानी 1.03 फीसदी लुढ़ककर 79,547.48 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 255.45 अंक यानी 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ 24,228.60 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयरों में गिरावट और 9 शेयर में तेजी है। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 में गिरावट और 15 में तेजी देखने को मिल रही है। एनएसई के बैंकिंग, ऑटो और मेटर सेक्टर गिरावट के साथ अभी कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, सेंसेक्स ने 185 अंक की तेजी के साथ 80,563 के स्तर पर कारोबार शुरू किया था, जबकि निफ्टी 10 अंक की तेजी के साथ खुला था।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। जापान के निक्केई में 0.40 फीसदी की गिरावट है। वहीं, कोरिया का कोस्पी 0.18 फीसदी और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.79 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 901 अंक यानी 1.13 फीसदी की तेजी के साथ 80,378 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 270 अंक यानी 1.12 फीसदी की तेजी के साथ 24,484 के स्तर पर बंद हुआ था।

आरबीआई ने मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने केवायसी के नियम बदले

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नो योर कस्टमर (केवायसी) मानकों में बदलाव किए हैं। यह बदलाव मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम (रिकॉर्ड संधारण) नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों के साथ तालमेल बिठाने के लिए किए गए हैं। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने कुछ मौजूदा निर्देशों में भी संशोधन किया है। आरबीआई ने 2016 के मास्टर डायरेक्शन केवायसी दिशा-निर्देश में संशोधन किया है। इसके तहत अब सभी रेगुलेटेड एंटिटीज को ग्राहक की पहचान जांच प्रक्रिया यानी कस्टमर ड्यू डिलिजेंस को यूनिक कस्टमर आइडेंटिफिकेशन कोड स्तर पर लागू करना होगा। आरबीआई द्वारा जारी एक सर्कुलर के अनुसार अगर किसी रेगुलेटेड एंटिटी के मौजूदा केवायसी सम्पन्न ग्राहक को उसी एंटिटी में नया खाता खोलना है या किसी अन्य उत्पाद या सेवा का लाभ उठाना है, तो ग्राहक की पहचान के लिए नए सीडीडी (ग्राहक पहचान प्रक्रिया) की आवश्यकता नहीं होगी। आरबीआई ने सीडीडी प्रक्रिया और केंद्रीय केवायसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री के साथ केवायसी जानकारी साझा करने को लेकर भी संशोधन किए हैं। अब जब भी कोई रिपोर्टिंग इकाई किसी ग्राहक से नई या अपडेट की गई जानकारी प्राप्त करती है, तो उसे सात दिनों के भीतर या केंद्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित अवधि में सीकेवायसीआर को अपडेट की गई जानकारी भेजनी होगी। इसके बाद यह ग्राहक के मौजूदा केवायसी रिकॉर्ड को अपडेट कर देगा। सीकेवायसीआर एक ऐसी इकाई है, जो ग्राहकों के केवायसी रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में प्राप्त करती है, सुरक्षित रखती है और आवश्यकता पड़ने पर वापस उपलब्ध कराती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का जिओ का आईपीओ 2025 में आएगा बाजार में

नई दिल्ली

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने टेलीकॉम व्यवसाय जिओ का आईपीओ लाने की योजना बना रही है, जो 2025 में बाजार में आ सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि जिओ का मूल्यांकन 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। दूसरी ओर रिलायंस रिटेल का आईपीओ 2025 के बाद आने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी कंपनी के फैसले से जुड़े दो सूत्रों ने दी है। 2019 में, अंबानी ने स्पष्ट किया था कि रिलायंस जिओ और रिलायंस रिटेल अगले पांच सालों में सार्वजनिक सूची में लाए जाएंगे, लेकिन इसके बाद इस संदर्भ में कोई नया अपडेट नहीं आया। पिछले कुछ सालों में अंबानी ने केकेआर, जनरल अटलांटिक और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे प्रमुख निवेशकों से डिजिटल, टेलीकॉम और रिटेल व्यवसाय में कुल 25 बिलियन डॉलर का निवेश जुटाया है, जिससे दोनों व्यवसायों का मूल्यांकन 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है।

सूत्रों के मुताबिक रिलायंस जिओ का आईपीओ 2025 में लॉन्च किया जाएगा, क्योंकि कंपनी का मानना है कि उसने 479 मिलियन

भारत में एलन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा का मुकाबला करने की तैयारी

ग्राहकों के साथ मजबूत कारोबार और नियमित कमाई हासिल की है, जिससे वह भारत का सबसे बड़ा टेलीकॉम प्लेयर बन गया है। वहीं, रिलायंस रिटेल का आईपीओ 2025 के बाद आएगा, क्योंकि कंपनी अपने आंतरिक व्यापार और संचालन संबंधी कुछ मुद्दों को सुलझाना चाहती है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रिलायंस जिओ भारत में एलन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा का मुकाबला करने की तैयारी कर रहा है और इसे गूगल और मेटा का समर्थन भी प्राप्त है। कंपनी ने एनवीडिया के साथ साझेदारी की है, ताकि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक फिलहाल जिओ की वैल्यूएशन को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और न ही आईपीओ के लिए बैंकरों की नियुक्ति की गई है।

ग्रीनजो एनर्जी को नेपाल में 500 करोड़ का ठेका मिला

नई दिल्ली

ग्रीनजो एनर्जी ने नेपाल में 120 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए 500 करोड़ रुपये का ठेका हासिल किया है। इस परियोजना के साथ ही उनकी मौजूदा ऑर्डर बुक 1,900 करोड़ रुपये की हो गई है। कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए बड़ी बड़ी परियोजनाओं के कार्य को थामने का ऐलान किया।

ग्रीनजो एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस सौर परियोजना को समय पर मुकम्मल करने के संकल्प की जीवनी दी। उन्होंने कहा कि हम परियोजना के प्रत्येक चरण को पूरा करने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि अपने हरित ऊर्जा समाधानों के माध्यम से नवाचार और प्रगति को सशक्त बनाना। इस परियोजना के माध्यम से ग्रीनजो एनर्जी ने नेपाल के पर्यावरणीय लक्ष्यों का समर्थन करने के संकल्प को और मजबूत किया है। वह भारत के नवीनीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी बनने का उचित उद्देश्य रख रहे हैं।

यह परियोजना ग्रीनजो एनर्जी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है जो ऊर्जा क्षेत्र में उनकी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा। इस सौर परियोजना के उत्कृष्टीकरण से स्थानीय आदिवासी समुदायों और अन्य संगठनों को भी लाभ मिलेगा।

एसबीआई ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल में नवाचार केंद्र शुरू किया

सिंगापुर

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल में एक नवाचार केंद्र प्रारंभ किया है। वित्तीय संस्थानों तथा वित्तीय प्रौद्योगिकी के लिए सिंगापुर स्थित अग्रणी वैश्विक सहयोगी नवाचार मंच एपीआईएक्स के साथ साझेदारी में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) नवाचार केंद्र (इनोवेशन हब) की शुरुआत की गई।

इसका उद्देश्य दुनिया भर के वित्तीय प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप तथा नवप्रवर्तकों को एसबीआई के विविध ग्राहक आधार की डिजिटल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अगली पीढ़ी के वित्तीय समाधान डिजाइन करने के लिए समर्पित स्थान प्रदान करना है। सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल का आयोजन छह से आठ नवंबर तक किया जा रहा है। एसबीआई की उप प्रबंधक निदेशक (आईटी) विद्या कृष्णन इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल हुईं और कहा कि भारतीय स्टेट बैंक का नवाचार केंद्र हमारे बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाओं में नवाचारों को बढ़ावा देने के हमारे डिजिटल परिवर्तन मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

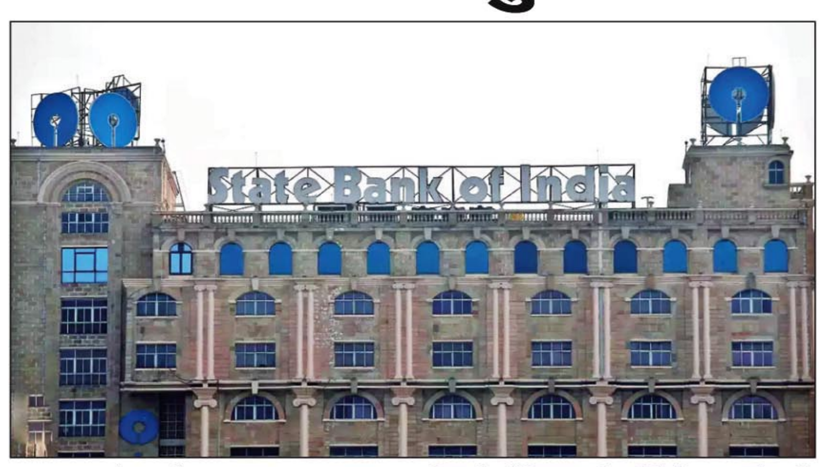

एपीआईएक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एपीआईएक्स ने हालांकि कई विश्व-अग्रणी वित्तीय संस्थानों और फिनटेक के साथ सहयोग किया है, लेकिन एसबीआई जैसी प्रमुख संस्था के साथ साझेदारी करना और उसकी जरूरतों के लिए समर्पित एक अनूठा मंच प्रदान करना एक बड़ी उपलब्धि है।

अमेरिका में ट्रंप की वापसी से भारत के लिए व्यापारिक नीतियों में नया तनाव संभव

अमेरिका भारत का महत्त्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है

नई दिल्ली

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डॉनल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक वापसी से भारत के साथ इस देश का व्यापार तनाव बढ़ सकता है। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला भारत में आने से उसे काफी फायदा भी हो सकता है क्योंकि अमेरिकी कंपनियां चीन से अपना उत्पादन भारत जैसे देशों में लाने की संभावना तलाश सकती हैं। ट्रंप अमेरिका फर्स्ट नीति पर आगे बढ़ सकते हैं और मुख्य रूप से चीन को निशाना बना सकते हैं।

हालांकि अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने भारत को ज्यादा शुल्क वाला देश बताया था। चुनाव के दौरान ट्रंप ने सभी देशों से आयात पर 10 से 20 फीसदी और चीन के उत्पादों पर 60 फीसदी शुल्क लगाने का वादा किया था। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024 में दोनों देशों के बीच करीब 120 अरब डॉलर मूल्य का व्यापार हुआ था। 35.3 अरब डॉलर के अधिशेष के साथ दोनों के बीच का व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने व्यापार असंतुलन पर चिंता जताई थी और कहा था कि भारत अमेरिका से ज्यादा आयात नहीं कर रहा है। ईवाई इंडिया में टैक्स एवं इकनॉमिक पॉलिसी (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) के एक पार्टनर ने कहा कि भारत को टेक्सटाइल, रसायन, फार्मा तथा वाहन/इंजीनियरिंग उत्पादों पर ज्यादा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। विकल्प के रूप में हमें ऐसे व्यापार समझौते के लिए तैयार रहना चाहिए जो न केवल हमारे वर्तमान हितों की रक्षा करे बल्कि नए हितों के साथ वह अमेरिका के लिए भी आकर्षक हो। ट्रंप ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए इस जीत को अमेरिका में स्वर्णिम युग की वापसी बताया। ट्रंप ने कहा कि यह शानदार जीत है जो अमेरिका को एक बार फिर महान बनाने में हमारी मदद करेगी। उन्होंने आगे की योजनाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम अपनी सीमाओं को दुरुस्त करने जा रहे हैं, हम अपने देश के बारे में सब कुछ ठीक करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रत्येक नागरिक के लिए, आपके परिवार और आपके भविष्य के लिए लड़ूंगा। मैं तब तक आराम नहीं करूंगा, जब तक हम मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध अमेरिका नहीं बना लेते, जिसके हमारे बच्चे और आप हकदार हैं।

भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली

भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20आई सीरीज के लिए तैयार है। इस सीरीज के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यकुमार ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया, उसके बाद उन्होंने 74 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 169.48 की स्ट्राइक रेट से 2544 रन बनाए हैं। उनका औसत 42.40 है।

34 वर्षीय ने सबसे छोटे प्रारूप में चार शतक और 21 अर्द्धशतक लगाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई सीरीज में मेन इन ब्लू का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 37.33 की औसत से 112 रन बनाए थे।

आगामी 20 ओवर की सीरीज में, सूर्यकुमार को भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20आई में अग्रणी रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 107 रनों की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारतीय कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात टी20इ मैचों में 175.63 की स्ट्राइक रेट से 346 रन बनाए हैं। उन्होंने 20 ओवर के प्रारूप में प्रोटियाज के खिलाफ एक शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इस बीच, डेविड मिलर 21 मैचों में 156.94 की स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाकर शीर्ष स्थान पर हैं।

भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20आई में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के अलावा, 34 वर्षीय सूर्यकुमार को टी20आई में सबसे तेज़ 150 छक्के लगाने का मौक़ा भी मिलेगा। 74 टी20आई मैचों और 71 पारियों में सूर्यकुमार ने 44 छक्के लगाए हैं। उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने के लिए चार मैचों की टी20आई सीरीज़ में 6 छक्के लगाने होंगे।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज़ 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। गकेबरहा में सेंट जॉर्ज पार्क 10 नवंबर को दूसरे टी20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि तीसरा मैच 13 नवंबर को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। श्रृंखला 15 नवंबर को वांडरर्स स्टेडियम में चौथे टी20 मैच के साथ समाप्त होगी।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी कबड्डी टीम को हराकर मीरजापुर प्रथम, 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो-खो प्रतियोगिता

मीरजापुर। रिजर्व पुलिस लाइन्स आजमगढ़ में आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला/पुरुष) कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो–खो प्रतियोगिता में मीरजापुर की कबड्डी टीम ने (पुरुष वर्ग) प्रथम स्थान प्राप्त किया। खो–खो एवं जिम्नास्टिक में जोन वाराणसी की तरफ से खेलकर क्रमशः तृतीय व प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिजर्व पुलिस लाइन्स आजमगढ़ में छह नवम्बर को आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला–पुरुष)कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो–खो प्रतियोगिता में कबड्डी पुरुष वर्ग में मीरजापुर ने वाराणसी कबड्डी टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। जोन वाराणसी की तरफ से खेले गए खो–खो प्रतियोगिता में गोरखपुर को हराकर वाराणसी जोन को तृतीय स्थान मिला तथा जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में वाराणसी जोन ने 345 अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अभिनंदन ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अस्मित ने की शानदार गेंदबाजी, अखिल इंफ्रा ने एलडीए को हराया

लखनऊ। बाबू बनारसी दास लीग मैच के ए डिवीजन में अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने एलडीए को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में अखिल इंफ्रा के गेंदबाज अस्मित मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 26 रन देकर पांच विकेट चटकाए। एलडीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर के मैच में 188 रन बनाकर आल आउट हो गये। सलामी बल्लेबाज शिवम पांडेय ने 50 रन का योगदान दिया। वहीं सात्विक ने 51 रन बनाये, जबकि आदित्य पांडेय ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं हिमांशु और अल्ताफ मात्र दो–दो रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने तीन विकेट खोकर 189 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। अपनी टीम में सर्वाधिक अजीत वर्मा ने 74 बाल पर 80 रन बनाये। वहीं सलामी बल्लेबाज शिव धीमान ने 45 रन का योगदान दिया। हर्षजीत ने 33 रन बनाये। हर्षित यादव ने 21 रन बनाया।

मुक्केबाज इमान खलीफ ने लिंग संबंधी रिपोर्ट पर की कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बुधवार को कहा कि ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए अपनी लिंग योग्यता को लेकर उठे विवाद को दरकिनार करने वाली अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ, लीक हुए मेडिकल रिकॉर्ड के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर कानूनी कार्रवाई कर रही हैं। इस सप्ताह फ्रांस में प्रकाशित रिपोर्टों में दावा किया गया कि 25 वर्षीय खलीफ में पुरुष गुणसूत्र हैं। अगस्त में पेरिस खेलों में लिंग विवाद तब शुरू हुआ जब खलीफ ने अपने शुरुआती मुकाबले में एंजेला कैरिनी को 46 सेकंड में हरा दिया, इतालवी खिलाड़ी बुरी तरह से नाक में चोट लगने के कारण रोने लगी और मुकाबला छोड़कर चली गई। इसके बाद विवाद पैदा हो गया, जिस पर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से लेकर हैरी पॉटर की लेखिका जेके राउलिंग तक कई राजनेताओं और हस्तियों ने टिप्पणी की। आईओसी ने एक बयान में कहा, हम समझते हैं कि इमान खलीफ ने ओलंपिक खेलों पेरिस 2024 के दौरान उनकी स्थिति पर टिप्पणी करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, और नवीनतम रिपोर्टिंग के जवाब में मुकदमा भी तैयार कर रही है। जब तक कानूनी कार्रवाई चल रही है, या असत्यापित दस्तावेजों के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर जिनकी उत्पत्ति की पुष्टि नहीं की जा सकती है, आईओसी टिप्पणी नहीं करेगा। आईओसी ने कहा कि खलीफ ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) विश्व चैंपियनशिप और आईबीए–स्वीकृत टूर्नामेंटों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में महिला वर्ग में कई वर्षों तक भाग लिया है। आईओसी ने कहा कि वह इमान खलीफ को वर्तमान में मिल रहे दुर्व्यवहार से दुखी है। ओलंपिक जीत के बाद अल्जीरिया लौटने पर खलीफ का नायक की तरह स्वागत किया गया था।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न शुरू

HOCKEY INDIA | 100 INDIAN HOCKEY SINCE 1925

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय हॉकी की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक भव्य, साल भर चलने वाले जश्न की शुरुआत की घोषणा की। यह शताब्दी वर्ष भारत में हॉकी के भविष्य के लिए अद्वितीय उत्कृष्टता और दूरदर्शी दृष्टिकोण की एक शताब्दी का ट्रिब्यूट है, जिसे हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के भव्य पुनः लॉन्च और महिला एचआईएल के ऐतिहासिक उद्घाटन के साथ चिह्नित किया गया है।

भारतीय हॉकी का समृद्ध इतिहास

7 नवंबर, 1925 को ऐतिहासिक शहर ग्वालियर में हॉकी के लिए एक राष्ट्रीय निकाय का आधिकारिक रूप से गठन किया गया था।इस निर्णायक क्षण ने विजय और गौरव की एक यात्रा को प्रज्वलित किया जिसने भारत को इस खेल में एक शक्तिशाली देश के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी की यात्रा वैश्विक खेलों में बेजोड़ विरासत की गाथा है, जिसमें आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

प्राकृतिक मैदान पर स्वर्णिम युग से लेकर कृत्रिम सतहों की आधुनिक चुनौतियों तक, भारतीय हॉकी लगातार विकसित हुई है और मजबूत होकर उभरी है, जो लचीलापन और पुनरुत्थान का प्रतीक है। पिछले एक दशक में, भारतीय हॉकी ने पुनर्जागरण का अनुभव किया है।52 साल के इंतजार के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ऐतिहासिक बैक–टू–बैक ओलंपिक पदक और टोक्यो ओलंपिक में महिला हॉकी टीम का प्रभावशाली चौथा स्थान और साथ ही एफआईएच नेशंस कप जीत, इस पुनरुद्धार के प्रमाण हैं। इस स्मारकीय वर्षगांठ के साथ हॉकी इंडिया लीग की वापसी, हमारे शानदार अतीत को संरक्षित करने और आगे के रोमांचक भविष्य को अपनाने की हॉकी इंडिया की प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है।

हॉकी इंडिया की अभूतपूर्व पहल

भारत ने कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और देश भर में अत्याधुनिक कृत्रिम टर्फ के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास किया है। हॉकी इंडिया ने सदस्य इकाई पोर्टल और ऑनलाइन खिलाड़ी पंजीकरण प्रणाली जैसी डिजिटल पहलों के साथ नवाचार को अपनाया है, जिससे देश में पेशेवर खिलाड़ियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार हुआ है। संरचित कोचिंग शिक्षा मार्ग भी हमारे देश से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अधिकारियों को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हॉकी इंडिया ने हमेशा खेलों में लैंगिक समानता का समर्थन किया है। हम टूर्नामेंट जीतने वाली पुरुष और महिला टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि और सभी लिंगों के लिए मानकीकृत मैच जीतने वाली फीस का गर्व से समर्थन करते हैं। हॉकी देश का एकमात्र टीम खेल है जिसमें पूर्ण वेतन समानता है।

हॉकी इंडिया लीग की वापसी का समय इस शताब्दी समारोह के लिए एक नियोजित ट्रिब्यूट है। महिला हॉकी इंडिया लीग की ऐतिहासिक शुरुआत की विशेषता वाली यह लीग बड़ी, बेहतर और बोल्ड होने वाली है। यह कदम न केवल भारत के हॉकी पुनर्जागरण को प्रदर्शित करेगा, बल्कि सभी एथलीटों को समान अवसर और मान्यता प्रदान करने के लिए हॉकी इंडिया की अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने इस अवसर पर कहा, जब हम भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो पुरुष हॉकी इंडिया लीग का फिर से शुरू होना और महिला हॉकी इंडिया लीग का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर है। साल भर चलने वाला यह जश्न हमारी उल्लेखनीय यात्रा और हमारी चिरस्थायी विरासत का प्रमाण है। हम इन लीगों में होने वाले रोमांचक मैचों और असाधारण प्रतिभाओं को देखने के लिए उत्साहित हैं, जो उत्कृष्टता की भावना को उजागर करती हैं, जिसने एक सदी से भारतीय हॉकी को परिभाषित किया है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह कहा, भारतीय हॉकी का शताब्दी समारोह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है जो हमारी समृद्ध विरासत और भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है। हॉकी इंडिया लीग की वापसी और महिला लीग का शुभारंभ प्रतिभा को बढ़ावा देने और खेल में समानता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण क्षण हैं। हम उच्च क्षमता वाली हॉकी के एक अविस्मरणीय वर्ष की आशा करते हैं, क्योंकि हम अपने अतीत का ट्रिब्यूट करते हैं और भारत में खेल के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हैं।

यह शताब्दी समारोह भारतीय हॉकी की उत्कृष्टता की एक शताब्दी के लिए एक भव्य ट्रिब्यूट है, तथापि यह अगले सौ वर्षों के गौरव और विजय के लिए एक प्रक्षेपण मंच भी है।

केसी कार्टी ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में हराया, श्रृंखला 2-1 से जीती

ब्रिजटाउन

कैरेबियाई बल्लेबाज केसी कार्टी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले सिंट मार्टेन द्वीप पर जन्मे पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि,बारबाडोस में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच में हासिल की। वेस्टइंडीज ने यह मैच आठ विकेट से जीता। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की एकदिनी श्रृंखला 2-1 से जीत ली।

कार्टी ने 114 गेंदों पर नाबाद 128 रनों की पारी खेली, जिससे वेस्टइंडीज ने केंसिंग्टन ओवल में सात ओवर शेष रहते इंग्लैंड के 263/8 के स्कोर को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। यह कार्टी का वेस्टइंडीज के लिए 50वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उनका पहला शतक भी था, कार्टी ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और दो बड़े छक्के लगाए।

मैच में टॉस जीतने के बाद वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (108 गेंदों पर 74 रन, 4 चौके और 1 छक्का) ने थ्री लॉयन्स को शानदार शुरुआत दिलाई। विकेटकीपर–बल्लेबाज इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य क्रम में, मेहमान टीम साझेदारी बनाने में विफल रही और स्कोरबोर्ड पर केवल 263/8 रन ही बना सकी। मैथ्यू फोर्ड ने कैरेबियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की और 35 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

रन चेज के दौरान, ब्रैंडन किंग (117 गेंदों पर 102 रन, 13 चौके और 1 छक्का) और केसी कार्टी (114 गेंदों पर 128 रन, 15 चौके और 2 छक्के) ने शानदार प्रदर्शन किया और विंडीज को आठ विकेट से जीत दिलाई। रीस टॉपली और जेमी ओवरटन ही ऐसे गेंदबाज़ थे जो इंग्लैंड के लिए विकेट लेने में कामयाब रहे।

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार

कोच्चि

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी आज शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024–25 में रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार हैं। केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी अपने पिछले मुकाबले क्रमशः मुम्बई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट से हारे हैं तथा अंक तालिका में 10वें और 11वें स्थान पर हैं। लिहाजा, यह मैच दोनों टीमों के लिए खामियां दुरुस्त करने और अपने–अपने अभियान को वापस पटरी पर लाने का मौका होगा।

ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 14 आईएसएल मैचों में प्रत्येक में गोल किया है। उनमें से आठ मुकाबलों में उन्होंने कम से कम दो बार गोल किया है। ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 18 आईएसएल मैचों में कोई क्लीन शीट नहीं रखी है। यह लीग में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे लंबा सिलसिला है।

अपने पिछले अवे मैच में मोहम्मडन स्पोर्टिंग पर 4–0 से जीत से हैदराबाद एफसी को अनजान परिस्थितियों में मजबूत प्रदर्शन का हौसला मिलेगा, जो कि ब्लास्टर्स के खिलाफ काम आएगा।

हैदराबाद एफसी ने घर से बाहर अपने पिछले नौ मैचों में से सात में कम से कम एक गोल खाया है और उन सभी मैचों में हारे हैं। लिहाजा, उसे तीन अंक हासिल करने के लिए रक्षात्मक अनुशासन बनाए रखना होगा।

केरला ब्लास्टर्स एफसी के स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे के अनुसार, उनकी टीम को अधिक जागरूक होने और अंतिम सीटी बजने तक अपनी योजनाओं पर बने रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच में बने रहना चाहिए था। हमें निर्णायक पलों से सीखना होगा। जाहिर है कि हमें खुद को फाउल, येलो और रेड कार्ड से बचना है। हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो का मानना है कि इस समय अंक तालिका में कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है और इसलिए टीम को कुछ माकूल परिणामों के साथ तालिका में ऊपर आने को लेकर आशावादी रहना चाहिए।

प्रो पंजा लीग दिसंबर में करेगा मिजोरम मेगा मैचों का आयोजन

आइजोल

प्रो पंजा लीग ने मिजोरम के खेल मंत्री लालंगिंगलोवा हमार की मौजूदगी में दिसंबर 2024 के दूसरे भाग में पहाड़ी शहर आइजोल में भारत भर के आर्मरेसलरों की एक विस्तृत सीरीज की विशेषता वाले एक मेगा इवेंट की घोषणा की है।

मेगा मैचों की शुरुआत प्रसिद्ध मिजो आर्मरेसलर डेनिक लालरुअट्टलुआंगा वांगछिया से होगी, जो एक अंतरराष्ट्रीय आर्मरेसलर के खिलाफ खेलेंगे। डेनिक ने हाल ही में एशियाई आर्मरेसलिंग कप में स्वर्ण पदक जीतकर और भारत को कजाकिस्तान के बाद उपविजेता बनाने में मदद करके सुर्खियाँ बटोरी हैं। प्रो पंजा लीग ने डेनिक को टूर्नामेंट का भारतीय खिलाड़ी भी चुना और उन्हें सम्मानित किया गया तथा 35,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

लालनघिंगलोवा हमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम आइजोल विंटर फेस्टिवल में प्रो पंजा लीग मेगा मैच मिजोरम संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। इससे हमारे बेहतरीन मिजो आर्मरेसलर्स को दुनिया के सामने लाने में मदद मिलेगी और यह मिजोरम में आर्मरेसलर्स की एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

प्रो पंजा लीग के संस्थापक परवीन डबास ने हमार को उनके समर्थन और लीग को मिजोरम में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया।

परवीन ने कहा, यह मिजोरम में होने वाले सबसे बेहतरीन और सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक होने जा रहा है। हम इस अवसर के लिए आभारी हैं और हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे कि यह आयोजन एक बड़ी सफलता हो। पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने भी अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया एम को इस आयोजन का हिस्सा बनने पर गर्व है और हमें यकीन है कि यह यहाँ से और भी अधिक सफल होने जा रहा है। आयोजन की अंतिम तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी।

डब्ल्यूबीबीएल टीम ऑफ द डिकेड के लिए 50 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली

कप्तान हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की दशक की टीम के लिए तैयार की गई 50 खिलाड़ियों की सूची में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिसे गुरुवार को जारी किया गया। सूची में ऐसे क्रिकेटर शामिल हैं, जिन्होंने इस सीजन से पहले कम से कम 60 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले हैं। विशेषज्ञों के चयन पैनल द्वारा सार्वजनिक मतदान को ध्यान में रखते हुए सूची को 12 खिलाड़ियों तक सीमित किया जाएगा। बिग बैश ऐप पर 11-24 नवंबर के बीच सार्वजनिक मतदान खुला रहेगा।

दशक की टीम डब्ल्यूबीबीएल के 10 साल के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों को सम्मानित करेगी। चयन पैनल की अध्यक्षता क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के निदेशक क्ले स्मिथ कर रहे हैं, और इसमें मेल जोन्स, लिसा स्टालेकर, मैथ्यू मॉट, क्वेंटिन हल, लॉरा जॉली और एलिस्टेयर डॉब्सन भी शामिल हैं।

सार्वजनिक मतदान को समान महत्व दिया जाएगा और फिर पैनल उन वोटों की समीक्षा करेगा और अपने स्वयं के चयन के साथ मिलकर 12 खिलाड़ियों वाली टीम को अंतिम रूप देगा, जिसकी घोषणा 1 दिसंबर को डब्ल्यूबीबीएल 10 के फाइनल में की जाएगी। लीग के नियमों के अनुसार अंतिम एकादश में अधिकतम तीन विदेशी खिलाड़ी होंगे।

दशक की डब्ल्यूबीबीएल टीम के लिए शॉर्टलिस्ट किये गए 50 खिलाड़ियों की सूची–

सारा एली, सामंथा बेट्स, सूजी बेट्स (अंतरराष्ट्रीय), एलेक्स ब्लैकवेल, निकोल बोल्टन, निकोला कैरी, लॉरेन चीटल, सारा कॉयटे, हन्ना डार्लिंगटन, सोफी डिवाइन (अंतरराष्ट्रीय), मिग्नॉन डू प्रीज़ (अंतरराष्ट्रीय), जेस डफिन, रेने फैरेल, एशले गार्डनर, हीथर ग्राहम, निकोला हैंकॉक, ग्रेस हैरिस, लॉरा हैरिस, राचेल हेन्स, एलिसा हीली, सैमी–जो जॉनसन, जेस जोनासेन, मारिजान कप्प (अंतरराष्ट्रीय), हरमनप्रीत कौर (अंतरराष्ट्रीय), डेलिसा किमिन्स, अलाना किंग, हीथर नाइट (अंतरराष्ट्रीय), मेग लैनिंग, लिजेल ली (अंतरराष्ट्रीय), कैटियन मैक, हेले मैथ्यूज (अंतरराष्ट्रीय), ताहलिया मैकग्राथ, टेगन मैकफर्लिन, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, रेचल प्रीस्ट (अंतरराष्ट्रीय), जॉर्जिया रेडमायने, एमी सैटरथवेट (अंतरराष्ट्रीय), मेगन शुट्ट, नताली साइवर–ब्रंट (अंतरराष्ट्रीय), मौली स्ट्रानो, एनाबेल सदरलैंड, स्टेफनी टेलर (अंतरराष्ट्रीय), डेन वैन नीकेर्क (अंतरराष्ट्रीय), एलीस विलानी, जॉर्जिया वेयरहैम, अमांडा–जेड वेलिंगटन, लौरा वोल्वार्ड्ट (अंतरराष्ट्रीय), डैनी व्याट–हॉज (अंतरराष्ट्रीय)।

भोजन के बाद क्यों खाते हैं सौंफ, पान

स्वस्थ शरीर के लिए पाचन का सही होना जरूरी है। यदि पाचन तंत्र में कोई गड़बड़ी होती है तो शरीर में कई तरह की समस्याएं सामने आती हैं। मसलन गैस्ट्रिक, एसिडिटी, कब्ज, डायरिया, अपच, बदहजमी आदि। कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर पेट को गैस और अपच से छुटकारा दिला सकते हैं। खाना खाने के बाद कुछ चीजों के सेवन से पाचन में काफी सहायता मिलती है। साथ ही, ये माउथ फ्रेशनर का भी काम करता है।

- एक कप पानी में सौंफ, इलायची और अदरक व एक चुटकी हींग अच्छी तरह से मिक्स करें। पेट में गैस बनने से रोकने के लिए हर बार खाना खाने के बाद एक टुकड़ा अदरक चबाना न भूलें।
- कब्ज की समस्या होने पर सौंफ का सेवन करें। सौंफ का सेवन पाचन और कब्ज से निजात दिलाने में काफी मददगार है।
- अगर आपके मुंह से हमेशा बदबू आती रहती है तो आप इलायची का ज्यादा इस्तेमाल करें। इलायची मुंह की बदबू हटाने में सबसे कारगर साबित होती है और इलायची व पुदीनायुक्त पान चबाने से भी मुंह की बदबू से निजात मिलती है।
- खाना खाने के बाद इलायची का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व खाने को पचाने में मदद करते हैं। साथ ही इसके रासायनिक गुण की वजह अंदरुनी जलन में भी राहत मिलती है। अगर आपको लगातार उल्टी जैसा महसूस हो रहा हो तो भी आप छोटी इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इलायची के रासायनिक गुण शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल और दूसरे विषैले तत्वों को दूर करने का भी काम करता है। इससे रक्त भी साफ होता है।
- कफ की समस्या होने पर अदरक युक्त चाय पिएं। इसका सेवन करने से ठंड की वजह से गले में खराश और कफ की समस्या से निजात मिलती है। मधु के साथ अदरक के छोटे टुकड़े को चबाकर भी इसमें आराम मिलता है।
- पान कई बीमारियों का नाश करता है। यदि आप केवल पान के पत्ते का इस्तेमाल करते है तो यह काफी लाभकारी हो सकता है। इसे खाने से गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिल सकता है। इसमें कई तरह के एंटीसेप्टिक गुण छिपे हैं।
- पान के पत्ता का वैसे माउथ फेशनर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे चबाने से हमारे लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। जब हम इसे चबा कर खाते है तब हमारी लार ग्रंथि पर असर पड़ता है। इससे सलाइव लार बनने में मदद मिलती है। जो हमारी पाचन तंत्र के लिए बहुत ही जरूरी है। अगर आपने भारी भोजन भी कर दिया है उसके बाद आप पान खा लें। इससे आपको भोजन आसानी से पच जाएगा।
- पान के पत्तों में कई ऐसे यौगिक होते हैं जो सांसों में बदबू को खत्म करता है। इसके अलावा पान में लौंग, सौंफ, इलायची जैसे विभिन्न मसाले मिलने से ये एक बेहतरीन माउथ-फ्रेशर भी बन जाता है।
- अगर आपको मसूड़ों में गांठ, सूजन जा फिर खून आ रहा हो तो इसके लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उन्हें मिश्र कर लें। इन्हें मसूड़ों पर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- पान के पत्ते के रस को गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव गतिविधि के लिए भी जाना जाता है जिससे गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद मिलती है।
- इसका आयुर्वेद में बाल तोड़ फोड़े-फुंसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पान के पत्ते गरम करके उसमें अरंडी का तेल लगाकर फोड़े पर लगाने से आराम मिलता है।
- पान के पत्ते के डंठल को अरंडी के तेल में मिलाकर खाने से कब्ज से राहत पाई जा सकती है। इसके अलावा पान के पत्ते के साथ फ्लैक्सीड, त्रिफला और नींबू के सेवन से भी कब्ज का इलाज किया जा सकता है।

पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

दिल की हिफाजत के लिए पैदल चलें

आपने बुजुर्गों को अकसर यह कहते सुना होगा कि पैदल चलना सेहत के लिए अच्छा है। अब तो विज्ञान ने भी इसे सच साबित कर दिया है। शोधकर्ताओं के अनुसार भारतीय जीवनशैली में आने वाले बदलाव की वजह से अगले दो दशकों में यहां हृदय रोग के बढ़ने की आशंका है। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने लगभग चार हजार प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

एलर्जी के कितने रूप

एलर्जी तब होती है, जब शरीर किसी पदार्थ के प्रति प्रतिक्रिया करता है। एलर्जी को हल्के में लेना सेहत के लिए भारी पड़ सकता है, लेकिन कुछ सजगताएं बरतकर एलर्जी से बचा जा सकता है। फिर भी अगर कोई शख्स एलर्जी से ग्रस्त हो ही गया, तो उसका इलाज संभव है ...

देश में लगभग 25 फीसदी जनसंख्या एक या एक से अधिक एलर्जी से संबंधित रोगों से ग्रस्त है। वे पदार्थ जिनके कारण शरीर में प्रतिक्रिया होती है, एलर्जन कहलाते हैं। एलर्जी के विभिन्न प्रकार होते हैं। एटॉपिक डर्मेटाइटिस यह भी एलर्जी का एक प्रकार है, जिसमें त्वचा में सूजन आ जाती है। यह समस्या उन लोगों में ज्यादा पाई जाती है, जिनके परिवार के अन्य सदस्यों में भी एलर्जी के लक्षण पाए जाते हैं।

खाद्य पदार्थों से होने वाली एलर्जी

इस तरह की एलर्जी में हमारे शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) भोजन में शामिल किसी खास प्रोटीन के प्रति अतिसंवेदनशीलता प्रकट करता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की थोड़ी-सी मात्रा खाने से एलर्जी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। कुछ खास खाद्य एलर्जन्स में दूध, अंडे, मछली और अन्य मांसाहारी भोजन, सोया, प्रिजर्वेटिव्स, फास्टफूड्स और गेहूं भी शामिल हैं। फूड इनटॉलरेन्स और फूड एलर्जी में एक खास अंतर यह होता है कि एलर्जी में प्रतिरक्षा तंत्र एक अनावश्यक प्रतिक्रिया प्रकट करता है, जो उस खाद्य पदार्थ में शामिल किसी खास प्रोटीन के कारण होता है। दूसरी ओर फूड इनटॉलरेन्स किसी पाचक एन्जाइम की कमी के कारण होता है।

लेटेक्स एलर्जी

लेटेक्स रबर के पौधे से स्रावित दूध जैसा दिखने वाला चिपचिपा द्रव होता है, जिसमें कुछ रसायन मिलाकर रबर का निर्माण किया जाता है। इसका इस्तेमाल दस्ताने, गुब्बारे, रबर बैन्ड, इरेजर व खेल के सामान बनाने में किया जाता है। इस तरह की एलर्जी उन लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है, जो लेटेक्स की बनी चीजें ज्यादा उपयोग में लाते हैं। उदाहरण के तौर पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों को संक्रमण से बचाव के लिए लेटेक्स से बने दस्ताने पहनने होते हैं।

ऐसे लोगों में यह एलर्जी ज्यादा देखी गई है। लेटेक्स एलर्जी से पीड़ित 50 फीसदी लोगों में अन्य तरह की एलर्जी भी देखी गयी है। ऐसे लोगों में खाद्य एलर्जी भी तुलनात्मक रूप से ज्यादा होती है। परफ्यूम, इत्र व रसायन कुछ लोगों को सुगंधित स्प्रे, इत्र, व रसायनों से भी विभिन्न प्रकार की एलर्जी हो जाती है।

खिलौनों से एलर्जी- विशेषत: सॉफ्ट टॉयज और फर वाले टेडी बियर से बच्चों में त्वचा की एलर्जी व दमा की शिकायत हो जाती है।

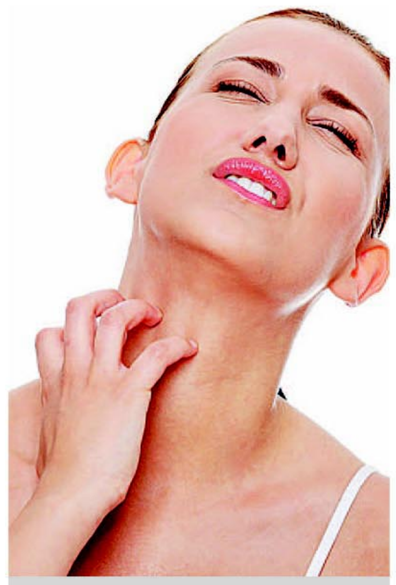

त्वचा की एलर्जी के मुख्य लक्षण

- त्वचा पर खुजली होना।
- बार-बार त्वचा का संक्रमण।
- शरीर के जोड़ों वाले भागों पर ज्यादा असर होना।
- रोग का पारिवारिक इतिहास।
- त्वचा पर पपड़ी का जमना।
- मुंह के कोनों का फटना।
- हाथ या पैर में खुजली होना।

दवाओं से एलर्जी

दवाओं से एलर्जी के प्रभाव का दायरा काफी बड़ा है। हर व्यक्ति के शरीर पर इसके अलग-अलग असर देखने को मिल सकते हैं। किसी व्यक्ति के शरीर पर चकते और खुजली हो सकती है, वहीं दूसरे को कोई दिक्कत न हो ऐसा भी संभव है। इस तरह की एलर्जी कुल होने वाली एलर्जी का 5 से 10 फीसदी होती है। कुछ दवाओं के प्रति एलर्जी ज्यादा देखी जाती है।

एंटीबॉयोटिक्स में जैसे पेसिलिन, दर्द निवारक दवाएं, मिर्गी के दौरों की दवाएं और कीमोथेरेपी (कैंसर की दवाएं)। दवाओं से होने वाली गंभीर प्रकार की एलर्जी के लक्षणों में उल्टी से लेकर बालों का झड़ना, पेट खराब होना और दस्त आदि शामिल हैं। कई बार ब्लड प्रेशर के इलाज में दी जाने वाली कुछ दवाओं के एंजाइम से खांसी, चेहरे और जीभ में सूजन जैसे लक्षण प्रकट हो जाते हैं।

डायग्नोसिस

त्वचा परीक्षण: ये परीक्षण एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ की पहचान के लिए किए जाते हैं।

रक्त परीक्षण: रक्त में विशिष्ट एंटीबॉडी से संबंधित परीक्षण किया जाता है।

इनविट्रो परीक्षण: फूड एलर्जी की संभावना का पता करने के लिए किया जाता है।

कीटों के डंक से एलर्जी हममें से अनेक लोग मधुमक्खियों और बर्र के डंक की पीड़ा बर्दाश्त कर चुके हैं और तब आपको यह भी ध्यान जरूर होगा कि उस जगह पर किस तरह से तीखी पीड़ा के साथ लालिमा और सूजन आ जाती थी। जो लोग इस तरह की एलर्जी से पीड़ित होते हैं, उनमें यह स्थिति और ज्यादा गंभीर हो जाती है। अन्य गंभीर लक्षणों में चेहरे, गले और जीभ पर सूजन, सांस लेने में दिक्कत, शरीर में भारीपन, पेट में मरोड़, जी मिचलाना और शरीर में चकत्ते व खुजली आदि को शुमार किया जाता है। पालतू जानवरों से एलर्जी पालतू जानवरों के रोएं, रूसी, लार और पेशाब में पाए जाने वाले पदार्थ एलर्जी पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा इन जानवरों के रोएं में एकत्र होने वाले परागकण और फफूंद के बीजाणु (स्पोर्स) भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इस तरह की एलर्जी के लक्षणों में छींके आना, खुजली होना, आंखों से पानी आना और अस्थमा तक के लक्षण शामिल हैं। पालतू जानवरों की उपस्थिति अन्य किस्म की एलर्जी से पीड़ित लोगों में लक्षणों की तीव्रता बढ़ाने का कारण बन सकती है।

उपचार

एलर्जी का इलाज काफी लंबा चलता है। इसलिए रोगी को धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। डॉक्टर के परामर्श से दवाओं का सही व नियमित प्रयोग करना चाहिए। एलर्जी की समस्या में कुछ दवाएं कारगर होती हैं।

जैसे सेट्रीजीन (ब्रांड नेम नहीं बल्कि केमिकल एलीमेंट है), लीवो सेट्रीजीन, फैक्सोफेनाडीन, क्लोरफेनीरामीन और मोंटील्यूकास आदि। एलर्जी के इलाज में इम्यूनोथेरेपी का भी इस्तेमाल किया जाता है।

नीम एक लेकिन फायदे अनेक

सेहत के लिहाज से नीम एक सौगात की तरह है। इसके पत्ते और छिलकों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिनमें गंभीर बीमारियों को ठीक करने की क्षमता पाई जाती है। नीम का जूस हालांकि कड़वा होता है लेकिन इसके जूस को पीने से तन और मन दोनों तंदुरुस्त रहते हैं। नीम के सेवन के फायदों पर डालते हैं एक नजर

त्वचा के लिए फायदेमंद

नीम के पत्तों में विटामिन सी पाई जाती है। नीम के पत्तों को पीसकर शरीर पर लगाने से त्वचा से संबंधित रोग ठीक होते हैं। नीम के पत्ते त्वचा पर बने कालेधब्बों को हटाने और त्वचा को साफ रखने में फायदेमंद हैं।

अस्थमा के इलाज में कारगर

नीम की पत्तियां नियमित रूप से खाने पर अस्थमा के इलाज में मदद मिलती है। नीम की पत्तियां श्वास रोग, कफ और बलगम रोकने में सहायक हैं।

घावों को भरने में फायदेमंद

पेट की बीमारियों के लिए नीम काफी उपयोगी है। नीम पीएच स्तर को नियंत्रित करने में उपयोगी होने के साथ ही अल्सर होने से रोकता है।

मधुमेह को नियंत्रित रखने में मददगार

नीम की पत्तियां शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं। नीम का उपयोग टाइप-2 मधुमेह के इलाज में किया जा सकता है। नीम एक तरीके से इंसुलिन का काम करता है।

दांतो के लिए फायदेमंद

नीम का दातुन नियमित रूप से इस्तेमाल करने से दांतो में पाए जाने वाले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। इससे मसूड़े मजबूत, दांत चमकीले और निरोगी हो जाते हैं।

ये हैं सबसे उम्दा देश...

हाल ही में हुए एक सर्वे में दुनिया के 196 देशों में से 10 सबसे उम्दा देशों को चुना गया है। यह सर्वे गुड कंट्री इंडेक्स द्वारा कराया गया। सबसे बेहतर देश आयरलैंड को चुना गया। हैरानी की बात है कि इस सूची में भारत, चीन और यहां तक कि अमेरिका जैसे देश शामिल नहीं हैं। इन देशों को पर्यावरण और कुदरती संसाधनों को बचाने में सहयोग, विश्व शांति बनाए रखने में योगदान, समानता, समृद्धि और साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आगे रहने के चलते 'टॉप टेन' में जगह दी गई।

फिनलैंड

उत्तरी यूरोप में स्थित इस देश को साइंस एंड टेक्नोलॉजी और समृद्धि के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। इस देश के नाम सबसे ज्यादा नोबेल प्राइज है। यह क्वालिटी इंटरनेशनल पब्लिकेशन और एक्सपोर्ट के लिए जाना जाता है।

स्विटजरलैंड

यह देश अपने खूबसूरत पहाड़ों, विंटर स्पोर्ट्स और मनोहारी प्राकृतिक नज़ारों के लिए जाना जाता है। यहां के लोगों का 'स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' काफी अच्छा है।

आयरलैंड इस देश को 'टॉप टेन' देशों में पहला स्थान मिला है। यह देश सभी मामलों में नंबर एक माना गया है। कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, हेल्थ, लोगों का उच्च जीवन-स्तर, यूएन की स्वैच्छिक सेवाओं में मजबूत भागीदारी को देखते हुए इसे सर्वे में पहले नंबर पर रखा गया।

नीदरलैंड: यह देश अपने 'पॉजिटिव ग्लोबल इंपैक्ट' के लिए मशहूर है। नीदरलैंड अपने कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, समानता, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर की वजह से इस सूची में है। इसी के साथ नीदरलैंड को 'फ्रीडम ऑफ मूवमेंट' और 'प्रेस फ्रीडम' के लिए भी रेट किया गया है।

न्यूजीलैंड

इस देश को पर्यावरण और साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। यहां के लोग 'इको फ्रेंडली' घरों को ही तरजीह देते हैं।

नॉर्वे

प्राकृतिक खूबसूरती और शहरों के विकास के लिए नॉर्वे को आठवें स्थान पर रखा गया है। नार्वे पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति के लिए प्रयास और लोगों के 'हाई स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' के लिए जाना जाता है।

यूनाइटेड किंगडम

क्वीन एलिजाबेथ के देश यूनाइटेड किंगडम को इस रैंक में 7वां स्थान मिला है। इस देश को समानता, समृद्धि, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर के लिए इस सूची में जगह दी गई है। इसके अलावा यह साइंस और टेक्नोलॉजी में नंबर-1 देश है।

डेनमार्क

यह खूबसूरत देश अपने कल्चर, बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं और लोगों के उच्च जीवन-स्तर के लिए जाना जाता है। डेनमार्क को फार्मास्यूटिकल एक्सपोर्ट, दूसरे देशों को खाद्यान्न में मदद और गरीब देशों को डोनेशन देने में आगे रहने के लिए इस सूची में शामिल किया गया है।

बेल्जियम

यूरोप का यह देश समानता, समृद्धि और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अव्वल देशों में गिना जाता रहा है। इसके अलावा भी इस देश को बेहतरीन क्रिएटिव गुड्स एक्सपोर्ट, फ्रीडम ऑफ मूवमेंट और प्रेस फ्रीडम के लिए 'टॉप टेन' की सूची में शामिल किया गया है।

स्वीडन

यह देश अपने हाउसिंग स्टोर 'इकेया', स्विस चॉकलेट और वोदका के लिए मशहूर है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण में यह देश आइसलैंड और कनाडा के बाद तीसरे नंबर पर है। यह देश सीओ2 और ग्रीन हाउस गैसों के कम से कम उत्सर्जन के लिए भी जाना जाता है।

रेसिपी

हरी मटर का पराठा

कितने लोगों के लिए 8

सामग्री

3 कप आटा, 2 टे.स्पून घी, आधा टी स्पून नमक।

भरावन के लिए:

2 कप उबली हुई हरी मटर, 5 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टी स्पून जीरा, 1 टे.स्पून घी, नमक स्वादानुसार। तलने के लिए आवश्यकतानुसार घी।

विधि

भरावन तैयार करने के लिए: उबली हुई मटर को हाथ से अच्छी तरह मैश कर लें। एक पैन में घी गर्म करें जब घी गर्म हो जाए तो उसमें जीरा डाल दें। जब जीरा चटकने लगे तो हरी मिर्च, मैश की हुई मटर और नमक डालकर 1 मिनट तक भूने और मिश्रण को ठंडा होने के लिये रख दें।

पराठे के लिए आटे को छानकर उसमें नमक और घी मिलाकर, पानी डालकर मुलायम गूंथ लें। 15 मिनट तक ढ़क कर रख दें। उसके बाद आटे की लोइयां बनाकर उसमें एक-एक चम्मच भरावन की सामग्री भरकर अच्छी तरह बंद कर दें, चकले बेलन की सहायता से बेल कर गर्म तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाकर अच्छी तरह सेक लें। गर्मागर्म मटर का पराठा चटनी या अचार के साथ सर्व करें।

सेब की चटनी

कितने लोगों के लिए 10

सामग्री

500 ग्राम हरे सेब (छीलकर कटे हुए), 2 टे.स्पून घी या तेल, 1-1/2 टी स्पून जीरा, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टी स्पून पिसा अदरक, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 कप पानी, 1/2 टी स्पून दालचीनी, 1 चुटकी जायफल (पिसा हुआ), 1 कप चीनी।

विधि

तेल या घी को गर्म करके जीरे को भून लें। हरी मिर्च व अदरक पेस्ट डालकर 1 मिनट पकाएं फिर सेब और हल्दी डाल कर 2-3 मिनट तक हिलाएं। आंच धीमी कर के पानी, दालचीनी व जायफल डालें। जब तक सेब नरम न हो जाए तब तक बीच-बीच में हिलाते हुए पकाते रहें। चीनी डाल कर चटनी को तब तक पकाएं जब तक कि जैम जैसी न लगने लगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)